RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक

सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, गुरुवार ●11 अप्रैल , 2024 वर्षः-11 अंक - 343 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

संक्षिप्त समाचार

तृतीय चंद्रघंटा

देवी मां के तृतीय ईश्वरीय स्वरूप का नाम मां चन्द्रघण्टा है।'चंद्र' हमारी बदलती हुई भावनाओं, विचारों का प्रतीक है (ठीक वैसे ही जैसे चन्द्रमा घटता व बढ़ता रहता है)।'घंटा' का अर्थ है जैसे मंदिर के घण्टे-घड़ियाल ।

महाकाल के गर्भगृह में झुलसे सेवक की हो गई मौत

- मुंबई में 16 दिन बाद दम तोड़ा, धुलेंडी पर गुलाल से लगी आग में 14 लोग झुलसे थे

भोपाल। धुलेंडी के दिन उज्जैन के महाकाल मंदिर के गर्भगृह में आग लगने से झुलसे सेवक सत्यनारायण सोनी (80) की मौत हो गई। उन्होंने बुधवार सुबह मुंबई के अस्पताल में अंतिम सांस ली। सत्यनारायण गंभीर रूप से झुलसे थे। पहले उन्हें इंदौर के अरबिंदो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालत बिगड़ने पर 8 अप्रैल को मुंबई के नेशनल बर्न यूनिट में भर्ती कराया गया था। महाकाल मंदिर में 25 मार्च की सुबह 5.49 बजे भस्म आरती के दौरान गर्भगृह में आग से 14 लोग

झुलस गए थे। घायलों में 13 को इंदौर रेफर किया गया था। 1 का इलाज उज्जैन में ही चला। पुजारी पुत्र मनोज शर्मा (43), पुजारी संजय शर्मा (50) और सेवक चिंतामण (65) अभी इंदौर के अरबिंदो अस्पताल में भर्ती हैं। महाकाल मंदिर के गर्भगृह में झुलसे 13 लोगों को इंदौर के अरबिंदो अस्पताल रेफर किया गया था। सेवक सत्यनारायण सोनी को 8 अप्रैल को इंदौर से मुंबई रेफर किया गया था। वे 40 प्रतिशत झुलसे थे। अरबिंदो अस्पताल से 8 लोगों को डिस्चार्ज कर दिया गया है। 3 लोगों का इलाज चल रहा है। इनमें से मनोज शर्मा और संजय पुजारी बर्न यूनिट में भर्ती हैं। एक अन्य घायल को वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया है। घटना की जांच में सामने आया था कि आग केमिकल वाला गुलाल फेंकने से भड़की थी। कलेक्टर सिंह ने मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए थे। जांच की जिम्मेदारी अपर कलेक्टर मृणाल मीणा और एसडीएम अनुकूल जैन को सौंपी थी। कमेटी से 28 मार्च तक रिपोर्ट मांगी गई थी।

2014 के पहले भारत की इकोनॉमी बहुत खराब थी

पीएम मोदी वेल्लोर में बोले-डीएमके के पास भ्रष्टाचार का कॉपीराइट

पार्टी एक फैमिली की कंपनी बन गई है, इन्होंने एंटी-तमिल कल्चर को बढ़ावा दिया

चेन्नई (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के प्रचार के लिए प्रधानमंत्री बुधवार को तमिलनाडु के दौरे पर हैं। मोदी ने वेल्लोर में जनसभा के दौरान कहा- डीएमके के पास करप्शन का कॉपीराइट है। पूरी फैमिली मिलकर तमिलनाडु को लूटने का काम कर रही है। पार्टी एक फैमिली की कंपनी बन गई है। इन्होंने एंटी-तमिल कल्चर को भी बढ़ावा दिया है। मोदी ने कहा कि डीएमके तमिलनाडु को पुरानी सोच में फंसा कर रखना चाहती है। डीएमके की फैमिली पॉलिटिक्स की वजह से यहां के यूथ को आगे बढ़ने का मौका नहीं मिल रहा है। इस पार्टी में आगे बढ़ने के लिए 3 क्राइटेरिया है। पहला- फैमिली पॉलिटिक्स, दूसरा- करप्शन और तीसरा एंटी तमिल कल्चर। वेल्लोर के बाद प्रधानमंत्री मोदी तमिलनाडु के मेट्टुपालयम में दोपहर में चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद वे महाराष्ट्र के नागपुर के रामटेक भी जाएंगे। यहां पर शाम 6 बजे उनकी रैली होगी। 2014 के पहले भारत को हमारी इकॉनॉमी बहुत कमजोर थी। देश में केवल स्कैम की खबरें आती थीं। भारत के बारे में बहुत बुरा कहा जाता था।

पंजाब के अमृतसर से बीजेपी कैंडीडेट संधू की बढ़ाई गई सुरक्षा

वाई प्लस कैटेगरी की सिक्योरिटी मिली, किसानों द्वारा लगातार किया जा रहा विरोध

चंडीगढ़ (एजेंसी)। अमृतसर से भाजपा उम्मीदवार व पूर्व आईपीएस अधिकारी तरनजीत सिंह संधू की केंद्र सरकार ने सुरक्षा बढ़ी दी है। अब उन्हें वाई प्लस सिक्योरिटी दी गई है, क्योंकि जब वह अपने चुनाव प्रचार के लिए निकल रहे हैं तो किसान जत्थेबंदियों द्वारा उनका विरोध किया जा है। इन सब चीजों को ध्यान में रखकर व सुरक्षा एजेंसियों से मिले इनपुट के बाद इस दिशा में फैसला लिया गया है। इससे पहले आम आदमी पार्टी (आप) छोड़कर भाजपा में शामिल हुए जालंधर के सांसद सुशील कुमार रिंकू और विधायक शीतल अंगुराल की भी सुरक्षा बढ़ाई गई थी। उन्हें वाय कैटेगरी की सुरक्षा दी गई है। 4 दिन पहले तरणजीत सिंह संधू चुनाव प्रचार के लिए अजनाला गए थे। उनके साथ पूर्व अकाली नेता व भाजपा ज्वाइन कर चुके बोनी अजनाला भी थे। जब तरणजीत सिंह संधू का काफिला थोबा में पहुंचा तो किसान पहले से ही वहां झंडे लेकर खड़े थे।

सैटेलाइट नेटवर्क में मस्क को टक्कर देगा ताइवान

- अब भारत को मिलेगा सबसे तेज इंटरनेट कनेक्शन!

नईदिल्ली (एजेंसी)। सैटेलाइट नेटवर्क पर हर देश की नजर है। अभी एलन मस्क की कंपनी इस पर काम कर रही है। साथ ही सुपरफास्ट इंटरनेट लाने पर भी पहले से ही काम कर रही है। लेकिन ये खबर एलन मस्क को थोड़ा परेशान कर सकती है और भारत के नजरिये से भी बेहतर हो सकती है। क्योंकि ताइवान अब

सैटेलाइट नेटवर्क पर काम कर रहा है। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध में एलन मस्क की कंपनी ने नेटवर्क प्रोवाइड करने का काम किया था। इस बीच ताइवान बहुत सारे साइबर अटैक का सामना कर चुका है। इसके अलावा चीनी सेना के द्वारा भी एयरस्पेस बनाया गया है। इन सबके बीच वह काफी मुश्किलों का सामना कर रहा था। यही वजह है कि ताइवान ने अपना नेटवर्क स्थापित करने का फैसला किया।

प्रदेश के 49 हजार मतदान केंद्रों में ईसी की तीसरी आंख

- विवाद और हिंसात्मक एक्टिविटीज पर सख्त आयोग, वोटिंग के लिए बनेंगे 657709 बूथ

भोपाल। प्रदेश में अब 49 हजार से अधिक मतदान केंद्रों में कैमरे लगाकर चुनाव आयोग मतदान की गतिविधियों पर नजर रखेगा। इन मतदान केंद्रों में अंदर और बाहर दोनों स्थानों पर कैमरे लगाए जाएंगे जहां से वेबकास्टिंग के जरिये वहां की गतिविधियों की जानकारी अधिकारी दिल्ली और भोपाल से लेते रहेंगे। इसके साथ ही कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों से ऐसे मतदान केंद्र वाले भवनों में खास तौर पर इंस्पेक्शन करने के लिए कहा गया है जहां पांच या अधिक मतदान केंद्र बनाए गए हैं। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने लोकसभा चुनाव के लिए मतदान का समय नजदीक आने के साथ मतदान केंद्रों की सुरक्षा, मतदाताओं को वोट डालने के लिए जागरुक करने और अधिकतम वोटिंग कराने के लिए कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिए है। इसी कड़ी में वल्नरेबल और क्रिटिकल मतदान केंद्रों की सुरक्षा पर सर्वाधिक फोकस किया गया है ताकि मतदान के दौरान किसी तरह की हिंसात्मक स्थिति पर तुरंत कंट्रोल किया जा सके और ऐसा करने वाले असामाजिक तत्वों की शिनाख्त में आसानी हो। प्रदेश में 65423 मतदान केंद्र सभी 29 लोकसभा सीट के लिए बनाए गए हैं। इसके बाद चुनाव आयोग ने 356 सहायक मतदान केंद्र भी मंजूर कर दिए हैं जिसके बाद कुल मतदान केंद्रों की संख्या 65779 हो गई है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कलेक्टरों से कहा है कि निर्वाचन आयोग ने अब वेबकास्टिंग के लिये कुल मतदान केन्द्रों की संख्या के 75 प्रतिशत के बराबर

कैमरे लगाने की अनुमति दे दी है। वेबकास्टिंग के लिये कैमरे मतदान केंद्र के भीतर और बाहर भी लगाये जा सकेंगे। इसके बाद अब 49334 मतदान केंद्रों में कैमरे लगाकर वेबकास्टिंग कराई जा सकेगी। पहले कुल मतदान केंद्रों में से 50 फीसदी मतदान केंद्रों में कैमरे लगाकर वेबकास्टिंग के जरिये मतदान केंद्रों पर नजर रखने की अनुमति दी गई थी। चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव में विवाद और हिंसात्मक गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए सुरक्षा को लेकर पूर्व में हुए चुनावों का स्टेटस भी ध्यान में रखा है।

प्रदेश में झमाझम, कई जिलों में ओलावृष्टि

- भोपाल, उज्जैन समेत कई जिलों में आंधी के साथ गिरा पानी
- मौसम विभाग ने कहा-अगले एक सप्ताह तक ऐसा ही रहेगा मौसम

भोपाल। मध्यप्रदेश में पिछले तीन दिन से बारिश-ओले का दौर जारी है। ऐसा स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव होने से हो रहा है। बुधवार को भी भोपाल, उज्जैन समेत कई जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश हुई। भोपाल, शाजापुर में ओले भी गिरे। मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में 21 जिलों में बारिश का अनुमान जताया है। बुधवार दोपहर में शाजापुर, सीहोर, विदिशा, रायसेन में तेज बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिली। आगर, शाजापुर, राजगढ़, सीहोर, नर्मदापुरम के पचमढ़ी, छिंदवाड़ा और सिवनी में मध्यम गरज के साथ बिजली गिरने का अनुमान है। ओलावृष्टि होने और हवा की गति 60 किमी प्रति घंटा तक रहने के भी आसार है। भोपाल में बुधवार दोपहर बाद गरज-चमक के साथ तेज बारिश का दौर शुरू हो गया। पुराने शहर और करोंद के अलावा कुछ इलाकों में ओले भी गिरे हैं। दोपहर करीब 3 बजे काली घटाएं छा गईं। इससे शाम जैसा मौसम हो गया। मौसम विभाग के मुताबिक रात में भी ऐसा ही मौसम रह सकता है। पिछले 24 घंटे के दौरान 23 जिलों- सिवनी,

छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, अनूपपुर, उमरिया, कटनी, बालाघाट, शहडोल, दमोह, रीवा, सागर, जबलपुर, भोपाल, हरदा, देवास, खरगोन, रायसेन, विदिशा, नर्मदापुरम, बैतूल, खंडवा, सीहोर और शाजापुर के कुल 74 शहर-कस्बों में बारिश दर्ज की गई। सबसे ज्यादा सिवनी के केवलारी में 32 मिमी यानी, सवा इंच बारिश

हुई। छिंदवाड़ा के हर्रई, देवास के खातेगांव में भी 1 इंच से ज्यादा पानी गिरा। आईएमडी भोपाल की सीनियर वैज्ञानिक दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि अभी एक पश्चिमी विक्षोभ ऐक्टिव है। वहीं, राजस्थान और महाराष्ट्र के ऊपर दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन भी सक्रिय है। ट्रफ लाइन भी गुजर रही है। सीनियर वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया कि 10-11 अप्रैल को एक और वेस्टर्न डिस्टरबेंस ऐक्टिव हो रहा है। इससे मौजूदा सिस्टम और भी मजबूत हो जाएगा। इस कारण एक सप्ताह तक मौसम ऐसा ही बना रहेगा। भोपाल में बुधवार दोपहर बाद गरज-चमक के साथ तेज बारिश का दौर शुरू हो गया। पुराने शहर और करोंद के अलावा कुछ इलाकों में ओले भी गिरे हैं। इससे पहले, सोमवार को कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश हुई। 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा भी चली। मौसम विभाग के अनुसार साइक्लोनिक सर्कुलेशन, ट्रफ लाइन और वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) का असर भोपाल में भी दिखाई दे रहा है। पिछले तीन दिन से बारिश हो रही है। ऐसा ही मौसम 13 अप्रैल तक बना रहेगा।

हाईकोर्ट के बाद राउज एवेन्यू कोर्ट ने भी दिखाया आईना

- सीएम केजरीवाल को लगा बड़ा झटका, हफ्ते में दो बार ही कर पाएंगे वकीलों से मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को राउज एवेन्यू कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। वह अब हफ्ते में

केवल दो बार ही अपने वकीलों से मुलाकात कर पाएंगे। उन्होंने हफ्ते में 5 बार वकीलों से मुलाकात करने की मांग की थी। अरविंद केजरीवाल ने अपनी याचिका में मांग की थी कि पीएमएलए मामले में उन्हें हफ्ते में पांच बार वकीलों से मिलने का मौका दिया जाए। हालांकि कोर्ट ने इसे याचिका को खारिज कर दिया। इससे एक दिन पहले ही मंगलवार को दिल्ली हाई कोर्ट से भी अरविंद केजरीवाल को बड़ा झटका लगा था। अरविंद केजरीवाल ने अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी थी, लेकिन कोर्ट ने उनकी याचिका को खारिजकर दिया था। अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली हाईकोर्ट में अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी थी लेकिन उन्हें राहत नहीं मिली थी। दिल्ली हाई कोर्ट की जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने 25 मिनट तक अपना फैसला पढ़कर सुनाया और इस दौरान उन्होंने कई बार केजरीवाल को नसीहत भी दी तो कई बार फटकार भी लगाई। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने कहा कि कानून की नजर में अरविंद केजरीवाल केवल एक सामान्य नागरिक हैं। उन्होंने कहा कि यह मामला सिर्फ केजरीवाल की गिरफ्तारी का नहीं है।

राम मंदिर में स्थापित हुई डेढ़ क्विंटल की रामचरितमानस

- पेज-1000, कीमत- 5 करोड़, मध्य प्रदेश कैडर के पूर्व आईएएस ने भेंट की

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या के राम मंदिर में अब भक्त रामलला के साथ-साथ सोने की रामचरितमानस के भी दर्शन करेंगे। नवरात्र के पहले दिन गर्भगृह में इसे विधि-विधान से स्थापित कर दिया गया है। रामचरितमानस को रामलला की मूर्ति से 15 फीट दूरी पर एक पत्थर के आसन पर रखा गया है। रामचरितमानस को मध्य प्रदेश कैडर के पूर्व आईएएस लक्ष्मी नारायण और उनकी पत्नी ने राम मंदिर ट्रस्ट को भेंट किया है। रामचरितमानस 1000 पेज की है। वजन-155 किलोग्राम है। इसमें 4 केजी सोने और 151 किलोग्राम तांबे का इस्तेमाल किया गया है। हर पेज पर 24 कैरेट सोने की परत चढ़ाई गई है। साथ ही हर पेज पर 3 किलोग्राम तांबा भी लगा है। वुम्मिदी बंगारू ज्वैलर्स ने रामचरितमानस को 3 महीने में तैयार किया है। इसे बनाने में करीब 5 करोड़ रुपए खर्च आया है। इसी कंपनी ने नए संसद भवन में स्थापित सेंगोल (राजदंड) को तैयार किया है। रामलला के पुजारी संतोष कुमार तिवारी ने बताया कि रामचरितमानस को राम नवमी पर मंदिर ट्रस्ट को सौंपा गया। केंद्र में गृह सचिव रहे एस. लक्ष्मी नारायण ने बताया कि मैं दाल-रोटी खाने वाला इंसान हूं। पेंशन ही खर्च नहीं होती है। ईश्वर ने जो उन्हें दिया, उसी को उन्हें वापस किया है। प्रभु के चरणों में उनकी पुस्तक अर्पित कर मेरा जीवन सफल हो गया।

अब शहर में सफेद साड़ी वाली 'रहस्यमयी' महिला का खौफ

रात को पार्क में झूलती है झूला... देखकर कांप जाते हैं लोग

विद्यानगर कॉलोनी में दहशत का माहौल, पुलिस ने समझाया, यह बीमार महिला है

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित एक कॉलोनी में अजीब सा दहशत का माहौल है। इस कॉलोनी एक सफेद साड़ी वाली महिला रात में दिखती है। यह महिला कभी कॉलोनी के पार्क में जाकर झूले पर बैठ जाती है तो कभी रॉड

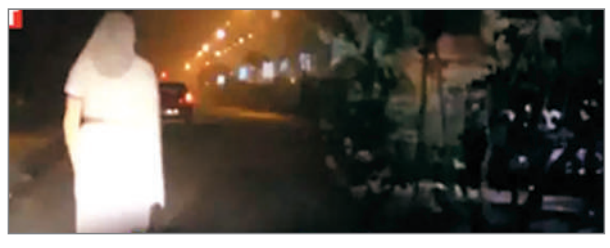

लेकर टहलते रहती है। अंधेरे में वह अकेले झूला झूलती दिखती है। सफेद साड़ी वाली रहस्यमयी महिला को देखकर लोग दहशत में आ जाते हैं। यह पूरा मामला विद्यानगर कॉलोनी का है। कॉलोनी के कई लोगों ने सफेद साड़ी वाली महिला को देखा है। अब घटना का वीडियो भी सामने आ गया है। इसके बाद मामले से पर्दा उठा है। दरअसल, विद्यानगर कॉलोनी में सफेद साड़ी वाली महिला का दहशत बीते 10 दिनों से है। कॉलोनी के लोग बीते सप्ताह से ही यह देख रहे थे कि एक महिला देर रात सफेद साड़ी में घूमती है। उसका लुक काफी डरावना होता था। ऐसे में लोग अकेले तो उसके आसपास भटकने की हिमाकत भी नहीं कर पाते थे। कॉलोनी के कई लोगों ने ऐसा देखा। साथ ही वह महिला कॉलोनी के पार्क में आकर झूला झूलती है। पास के घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में महिला का झूला झूलते हुए वीडियो कैद हो गया। कॉलोनी में डर ऐसा कि बच्चों ने पार्क में जाना बंद कर दिया। सफेद साड़ी वाली महिला को देखकर लोगों के मन में कई तरह से सवाल उठ रहे हैं।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, गुरुवार 11 अप्रैल, 2024

लोकसभा निर्वाचन संबंधी सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करें

कलेक्टर सिंह ने नोडल अधिकारियों की बैठक में दिये निर्देश

हरदा (निप्र)। लोकसभा निर्वाचन के लिये नियुक्त नोडल अधिकारियों की बैठक में कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने निर्देश दिये कि सभी अधिकारी उन्हें सौंपे गये दायित्वों का निर्वहन निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित समय सीमा में सुनिश्चित करें। बैठक में जिला पंचायत के सीईओ श्री रोहित सिसोनिया, अपर कलेक्टर डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा सहित सभी नोडल अधिकारी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने दिव्यांग एवं 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं के घर जाकर मतदान कराने संबंध में की गई तैयारियों की जानकारी भी ली। उन्होने चुनाव कार्य में लगे सभी अधिकारी कर्मचारियों को कम से कम दो-दो बार प्रशिक्षण देने के लिये भी कहा। कलेक्टर श्री सिंह ने मतदान दलों को लाने ले जाने के लिये वाहन व्यवस्था की भी बैठक में समीक्षा की। बैठक में उन्होने 12 अप्रैल को होने वाले द्वितीय रेण्डमाइजेशन के लिये सभी आवश्यक तैयारियां करने के निर्देश जिला सूचना विज्ञान अधिकारी श्री शैलेष दुबे को दिये। उन्होने कहा कि मतदाताओं को मतदाता पर्ची समय से पूर्व वितरित कर दी जाए ताकि उन्हें मतदान के दिन परेशानी न हो। कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में निर्देश दिये कि जिन वाहनों में इवीएम मशीन लाई व ले जाई जायेगी, उन सभी वाहनों में जीपीएस सिस्टम अनिवार्य रूप से लगाया जाए। जिला पंचायत के सीईओ एवं स्वीप के नोडल अधिकारी श्री सिसोनिया ने बैठक में बताया कि आगामी एक सप्ताह में आदिवासी क्षेत्रों के मतदाताओं और प्रवासी मतदाताओं को मतदान के लिये प्रेरित करने हेतु विशेष अभियान आयोजित किया जाएगा। श्री सिसोनिया ने ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के कार्यपालन यंत्री को निर्देश दिये कि सभी निर्माण स्थलों पर मतदाता जागरूकता संबंधी फ्लैक्स लगवाये जायें। उन्होने लीड बैंक अधिकारी को सभी बैंक शाखाओं में सेल्फी पाइन्ट लगाने के निर्देश भी दिये। श्री सिसोनिया ने बताया कि सभी मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं की सुविधा के लिये पेयजल, शौचालय, मतदान केन्द्र में आने व जाने के लिये अलग-अलग मार्ग तथा धूप से बचाव के लिये शेड लगाने की व्यवस्था की जा रही है।

प्रलोभन में आये बिना स्वविवेक से मतदान करें : सारिका घारू

नर्मदापुरम (निप्र)। तुम वोट देने जाओ, वोटर आईडी साथ ले जाओ का संदेश देते हुए स्वीप आइकॉन सारिका घारू चार कठपुतलियों के नृत्य के साथ सौ प्रतिशत मतदान के लिये संदेश दे रही हैं। सारिका ने बताया कि कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के मार्गदर्शन में रोचक जागरूकता गतिविधियां की जा रही हैं। कठपुतली नृत्य के कार्यक्रम में दर्शकों को स्वेच्छा से जोड़ते हुए देश का गर्व माने जाने वाले , मतदान के इस पर्व में शतप्रतिशत भागीदारी का संकल्प दिलाया जा रहा है। सारिका ने बताया कि तेज गर्मी को देखते हुए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदान केंद्र पर छाया, पीने का पानी सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

लोकसभा निर्वाचन में मतदान प्रतिशत बढ़ाने जिले में चलाया जा रहा है मतदाता जागरूकता अभियान

रायसेन (निप्र)। लोकसभा आम निर्वाचन-2024 में जिले में अधिक से अधिक मतदान के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे के निर्देशानुसार स्वीप प्लान के तहत सम्पूर्ण जिले में मतदाता जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में मतदाता जागरूकता गतिविधियों में रैली, चित्रकला, रंगोली, पोस्टर, मानव श्रृंखला आदि के माध्यम से लोकसभा आम निर्वाचन में अधिक से अधिक मतदान का संदेश दिया जा रहा है। इसी क्रम में संसदीय क्षेत्र 18-विदिशा में शामिल रायसेन जिले के बाड़ी विकासखण्ड के ग्राम धौखेड़ा में तथा सांची विकासखण्ड के ग्राम पीपलखिरिया में स्वीप प्लान के तहत जागरूकता रैली, रंगोली, दीवार लेखन, मेहंदी सहित अन्य स्वीप गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीणों को आगामी 07 मई 2024 को मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया।

लोकसभा निर्वाचन में पेड न्यूज की मॉनीटरिंग हेतु स्थापित किया गया है मीडिया मॉनीटरिंग सेल

रायसेन (निप्र)। लोकसभा आम निर्वाचन-2024 में निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान निर्वाचन प्रचार-प्रसार, फेक तथा पेड न्यूज की सतत् मॉनीटरिंग हेतु कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे के निर्देशन में कलेक्ट्रेट कार्यालय में मीडिया मॉनीटरिंग सेल बनाया गया है। जिसमें तीन पालियों में कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। जिनके द्वारा प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रानिक मीडिया और सोशल मीडिया पर 24 घण्टे मॉनीटरिंग की जा रही है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने पेड और फेक खबरों की सतत निगरानी कर रहे हैं। ड्यूटीरत कर्मचारियों को किसी भी प्रकार की पेड न्यूज, भ्रामक, तथ्यहीन खबरों के साथ ही आचार संहिता के उल्लंघन की न्यूज संज्ञान में आने पर तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराने के निर्देश दिए गए हैं। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के तहत पेड न्यूज के मामलों में रिटर्निंग अधिकारी के माध्यम से अभ्यर्थी को नोटिस प्रदान किया जाएगा। नोटिस का उत्तर संतोषजनक होने पर पेड न्यूज का प्रकरण निराकृत माना जाएगा। अभ्यर्थी का जवाब असंतोषजनक पाए जाने पर तथा जांच करने पर सही पाए जाने पर पेड न्यूज का खर्च अभ्यर्थी के व्यय लेखा में जोड़ा जाएगा।

दो अपराधी जिला बदर

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने दो आदतन अपराधियों को एक-एक वर्ष की कालावधि के लिए जिला बदर का आदेश जारी कर दिया है। जिला बदर हुए इन आदतन अपराधियों द्वारा गंभीर अपराध घटित करने जैसे लोगो के साथ मारपीट करना, जान से मारने की धमकी देना, धारदार हथियार से हमला करने, अवैध शराब संग्रहण करना, प्राण घातक हमला करने जैसे जैसे जघन्य सामाजिक अपराध घटित कर माहौल खराब कर आम जनता को परेशान करने के कारण, पुलिस अधीक्षक विदिशा के प्रतिवेदन एवं सुनवाई ध् पक्ष समर्थन पश्चात मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5 (क) (ख) के अधीन एक-एक वर्ष की कालावधि के लिए जिला विदिशा एवं सीमावर्ती जिले, रायसेन, भोपाल, गुना, अशोकनगर, सागर एवं राजगढ की राजस्व सीमाओं से अनावेदक आरिफ पठान पुत्र श्री सलीम पठान उम्र 23 साल निवासी गली नं. -4 पूरनपुरा थाना सिविल लाईन विदिशा एवं आकाश पिता रविशंकर तिवारी उम्र 35 साल निवासी ग्राम रसूलपूर थाना त्योंदा जिला विदिशा को एक-एक वर्ष की कालावधि के लिए जिला बदर निष्कासन का आदेश जारी किया गया है।

कलेक्टर सिंह ने शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में दिये निर्देश

शाला प्रवेश उत्सव के दौरान स्कूल जाने योग्य सभी बच्चों का एडमिशन कराएं

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री सिंह ने सोमवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी व जिला परियोजना समन्वयक को निर्देश दिये कि 6 वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों का स्कूल में प्रवेश अवश्य करायें। उन्होने कहा कि शाला प्रवेश उत्सव के दौरान आंगनवाड़ी केन्द्रों में दर्ज 6 वर्ष आयु के बच्चों को चिन्हित कर उन सभी को स्कूल में पंजीबद्ध कराने के निर्देश दिये और कहा कि स्कूल जाने योग्य कोई भी बच्चा स्कूल में पंजीयन से न छूटे। बैठक में जिला पंचायत के सीईओ श्री रोहित सिसोनिया के अलावा सभी विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी व विकासखण्ड स्रोत समन्वयक भी मौजूद थे। उन्होने डीईओ व डीपीसी को अनुश्रवण समितियों तथा शाला प्रबन्धन समिति की बैठक नियमित रूप से आयोजित करने के भी निर्देश दिये।

कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में शिक्षक विहीन शालाओं में शिक्षकों की व्यवस्था करने के लिये कहा। बैठक में उन्होने स्कूलों में विद्यार्थियों को गणवेश वितरण, सायकिल वितरण, निःशुल्क पुस्तक वितरण व मध्यान्ह भोजन वितरण की विस्तार से समीक्षा की। उन्होने शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत गरीब बच्चों की फीस प्रतिपूर्ति के लिये अब तक किये गये भुगतान की जानकारी भी ली और कहा कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत गरीब बच्चों के लिये आरक्षित कोई भी सीट खाली न रहे। डीपीसी ने बैठक में बताया कि जिले के प्रायवेट स्कूलों में शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत कुल 853 सीट निर्धारित थी, जिसके विरूद्ध कुल 547 आवेदन ही ऑनलाइन प्राप्त हुए है, जिस पर कलेक्टर श्री सिंह ने रिक्त सीटों को भरने के लिये सभी बीईओ व बीआरसी को व्यक्ति रूचि लेकर विशेष प्रयास करने के लिये कहा। कलेक्टर श्री सिंह ने स्कूल परिसर में अतिक्रमण के संबंध में जानकारी भी ली। उन्होने स्कूल परिसर में खेल मैदान के लिये बीईओ व बीआरसी से कहा कि अपने क्षेत्र के जिला पंचायत व जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी से सम्पर्क करें। डीपीसी ने बैठक में बताया कि जिले के 60 माध्यमिक शालाओं में बच्चों के लिये फर्नीचर उपलब्ध कराया गया है। इसके अलावा 48 शालाओं में पुस्तकालयों के लिये फर्नीचर उपलब्ध कराया गया है। कलेक्टर श्री सिंह ने जिला शिक्षा अधिकारी व विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिये कि कक्षा 8 से 9 वी में जाने वाले विद्यार्थियों में से कितने विद्यार्थियों ने प्रवेश नहीं लिया है, उन्हें चिन्हित कर उनका हाई स्कूल में प्रवेश करायें। कलेक्टर श्री सिंह ने सभी बीआरसी एवं विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र के विद्यालयों का नियमित रूप से निरीक्षण करने के निर्देश भी बैठक में दिये। उन्होने कहा कि जिन बच्चों की समग्र आईडी नहीं बनी है, उनके लिये जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी व एसडीएम से समन्वय बनाकर समग्र आईडी बनवाई जाएं।

कलेक्टर दुबे ने की लोकसभा निर्वाचन तैयारियों की समीक्षा, अधिकारियों को दिए निर्देश

रायसेन (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे द्वारा लोकसभा आम निर्वाचन-2024 अंतर्गत मतदान प्रक्रिया सम्पन्न कराने हेतु की जा रही कार्यवाहियों की समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि होशंगाबाद संसदीय क्षेत्र में शामिल जिले की उदयपुरा विधानसभा में 26 अप्रैल को ही मतदान प्रक्रिया सम्पन्न होना है। अधिकारी मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर विद्युत, पेयजल, छायादार बैठक व्यवस्था, मेडिकल टीम फस्ट एड किट सहित सभी जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराएं। कलेक्टर श्री दुबे ने मतदान सामग्री वितरण, मतदान दलों को मतदान केन्द्रों तक बस द्वारा भेजने तथा मतदान उपरांत वापसी सहित अन्य कार्यवाहियों पर विस्तृत चर्चा कर दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 12 अप्रैल से संसदीय क्षेत्र 18-विदिशा के लिए नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया प्रारंभ हो जाएगी। यह नाम निर्देशन पत्र कलेक्ट्रेट कार्यालय में ही प्राप्त किए जाएंगे। सभी अधिकारी उन्हें सौंपे गए दायित्वों का आचार संहिता का पालन करते हुए पूरी गंभीरता से निर्वहन करें। कलेक्टर श्री दुबे द्वारा एसएसटी तथा एफएसटी टीमों द्वारा की जा रही कार्रवाई, सी-विजिल एप पर प्राप्त शिकायतों के त्वरित निराकरण, स्वीप गतिविधियों के आयोजन सहित निर्वाचन संबंधी गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा कर दिशा-निर्देश दिए गए।

वन स्टॉप सेंटर सखी जिला स्तरीय निगरानी समिति की बैठक संपन्न हुई

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य की अध्यक्षता में वन स्टॉप सेंटर सखी जिला स्तरीय निगरानी समिति की बैठक कलेक्ट्रेट के बेतवा सभा कक्ष में संपन्न हुई है। बैठक में वन स्टॉप सेंटर सखी द्वारा संचालित गतिविधियों के संबंध में विस्तृत चर्चा हुई विगत वर्ष किए गए कार्यों के संबंध में भी जानकारी प्रस्तुत की गई। उक्त बैठक में वन स्टॉप सेंटर एवं महिला हेल्पलाइन 181 के प्रचार-प्रसार पर बल दिया गया है। वन स्टॉप सेंटर का नवीन भवन आवंटन ना मिलने के कारण रुका हुआ है जिसके लिए पत्राचार किया गया है के संबंध में आवश्यक कार्यवाही हेतु दिशा निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा अस्पताल में इस प्रकार के हिंसा से संबंधित प्रकरणों में यदि काउंसलिंग या सपोर्ट की आवश्यकता हो तो वन स्टॉप सेंटर को सूचना दी जाए , किसी भी विभाग का यदि महिला केंद्रित कार्यक्रम वेबीनार या वर्कशॉप इत्यादि हो तो वन स्टॉप सेंटर को प्रतिभागी बनाया जाए ताकि इसका अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार हो सके। किसी भी विभाग में महिलाओं के आर्थिक उन्नयन या स्वरोजगार हेतु योजनाएं संचालित होती हैं तो उससे वन स्टॉप सेंटर सखी की हितग्राही महिलाओं को जोड़ा जाए समेत अन्य आवश्यक बिंदुओं पर चर्चा की गई है। बैठक में अपर कलेक्टर से भी अनिल कुमार डामोर जिला पंचायत सीईओ डॉक्टर योगेश भरसट, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती मोहिनी शर्मा तथा वन स्टॉप सेंटर सखी से पुलिस अधिकारी समेत अन्य अधिकारी गण मौजूद रहे।

ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में आयोजित होंगी मतदाता ''जागरूकता रैली''

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री सिंह ने इस अवसर पर हरदा, टिमरनी, सिराली व खिरकिया के मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा तीनों जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को ''मतदाता जागरूकता ध्वज'' प्रदान किये। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री रोहित सिसोनिया व अपर कलेक्टर डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिसोनिया ने बताया कि आज से 15 अप्रैल तक जिले के तीनों विकासखण्डों के प्रत्येक ग्राम एवं चारों नगरीय निकायों के सभी वार्डों में मतदाता जागरूकता ध्वज के साथ मतदाता जागरूकता रैली आयोजित की जायेंगी।

कॉलोनी विकास के लिये अनुमति कलेक्टर कार्यालय से ही जारी की

हरदा (निप्र)। मध्यप्रदेश नगर पालिका कॉलोनी विकास नियम 2021 के तहत कॉलोनी विकास अनुमति के लिये कॉलोनाइजर को निर्धारित प्रारूप 4 के साथ 17 प्रकार की जानकारी संबंधी दस्तावेज संलग्न कर आवेदन कलेक्ट्रेट कार्यालय में देना होगा। कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने बताया कि सभी संबंधित कार्यालयों से प्राप्त अनुमतियों व 17 प्रकार की जानकारी की छायाप्रति कॉलोनाइजर को अपने आवेदन के साथ संलग्न करना होगी। उन्होने बताया कि कॉलोनी विकास की अनुमति केवल कलेक्टर कार्यालय से ही जारी की जाएगी अन्य किसी कार्यालय से नहीं। उन्होने बताया कि यदि कोई व्यक्ति कॉलोनी विकास अनुमति के संबंध में भ्रामक जानकारी देकर अवैधानिक रूप से कोई मांग करता है तो उसकी सूचना जिला प्रशासन को दें ताकि संबंधित के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जा सके। उन्होने जिले के सभी एसडीएम और मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश जारी किये है। कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि एसडीएम द्वारा इस बात का प्रमाणीकरण देना होगा कि शासकीय रिकार्ड अनुसार भूखण्डों के विवरण की जानकारी तथा आवेदित भूखण्ड शासकीय रिकार्ड में गत 50 वर्ष या उससे पूर्व उक्त भूमि शासकीय तो नहीं थी।

आवेदन के साथ आवेदक को 17 तरह के दस्तावेज संलग्न करना होंगे : कॉलोनी विकास के लिये कॉलोनाइजर को निर्धारित प्रारूप-4 में आवेदन देना होगा। आवेदन के साथ जो अन्य 17 तरह के दस्तावेज संलग्न करना होंगे, उनमें रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र, पेन कार्ड, परियोजना भूमि का ब्योरा, कॉलोनाइजर नियमों का पालन करने के संबंध में शपथ सह घोषणा पत्र, संबंधित बैंक का विवरण जहां कि कॉलोनाइजर का खाता संधारित है, आवेदक के कारोबार का विवरण, यदि उसके द्वारा अन्य कॉलोनी पूर्व में विकसित की जा चुकी है तो रेरा का पंजीयन प्रमाण-पत्र, कॉलोनाइजर द्वारा कॉलोनी विकसित करने के लिये वित्तीय साधनों का ब्यौरा, कॉलोनी के बाह्य विकास कार्यों के लिये अभिकरण का ब्योरा, परियोजना भूमि का आरक्षित क्षेत्र के संबंध में सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित ब्यौरा, बंधक रखे गये भूखण्डों व भवनों का ब्यौरा, कॉलोनी में उपलब्ध खुले क्षेत्र का ब्यौरा, कॉलोनी में पार्किंग क्षेत्र का ब्यौरा, कॉलोनाइजर पर दर्ज अपराध के संबंध में शपथ पत्र, गत तीन वर्ष का आयकर विवरण, रजिस्ट्रीकरण शुल्क जमा करने की सत्यापित रसीद की प्रति तथा नगर एवं ग्राम निवेश अधिनियम से संबंधित अनापत्ति प्रमाण-पत्र शामिल है।

चुनावी गतिविधियों पर आयोग की रहेगी नजरः कलेक्टर वैद्य

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत प्रवर्तन एजेंसियों के माध्यम से संपादित होने वाले कार्यो के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन दिया। उन्होंने संबंधित प्रकोष्ठों के नोडल अधिकारियों से कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा चुनावी गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जाती है। बैठक में आवश्यक दिशा-निर्देशों के साथ-साथ आयोग के नवीन निर्देशों पर प्रकाश डालते हुए उन सब के क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि रेलवे स्टेशन , जिले की सीमा क्षेत्रों के साथ-साथ अन्य उल्लेख स्थलों पर सघन जांच पड़ताल की जाएं ताकि जिले की सीमा से किसी भी प्रकार की अवैधानिक गतिविधिया ना हो पाए। व्यय अनुवेक्षण के गठित दल में शामिल उडनदस्ता दल, स्थैतिक निगरानी दल, वीडियो निगरानी दल विधानसभा चुनाव के दौरान चाक चैबंद होकर तीसरी आंख की तरह निगरानी रखे के निर्देश कलेक्टर श्री वैद्य ने समीक्षा बैठक में दिए हैं।

प्रवर्तन एजेंसियों को कार्या मे कसावट लाने एवं बड़ी कार्यवाही करने के निर्देश

कलेक्टर श्री वैद्य ने कहा कि अनुवेक्षण दल के सदस्य विभिन्न चेक पोस्ट पर नियुक्त किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि जिले में कहीं भी अनाधिकृत गतिविधियों के संदर्भ में सूचना मिलती है तो अविलंब कार्रवाई करें। तैनात दल के सदस्य निरीक्षण चैकियों पर पैनी नजर रखेंगे। कलेक्टर श्री वैद्य ने सख्त हिदायत देते हुए कहा कि जिले की सीमा में नगदी व अवैध शराब के साथ साथ बहुत आई मात्रा में परिवहन होने वाली सामग्री की जांच पड़ताल कर शंका होने पर जप्ती की कार्रवाई भी नियमानुसार की जाए । जिला पंचायत सीईओ डॉ योगेश भरसट ने स्विफ्ट गतिविधियों अंतर्गत जिले की पांचो विधानसभाओं में जारी कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने स्वीप के सभी सदस्यों से कहा कि मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए प्रतिदिन स्वीकृत गतिविधियों का आयोजन करें प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया जाए साथ ही जिन मतदान क्षेत्र में पिछले विधानसभा चुनाव में मतदान का प्रतिशत कम था वहां विशेष जोर दिया जाए। अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर ने कहा कि जिले में अब तक कहीं भी भारी मात्रा में अवैध शराब, अन्य समाग्रियों के साथ साथ नगदी जप्त नहीं की गई है। जो हमारे कार्यो पर प्रश्न चिन्ह लगा रही उन्होंने पूरी मुस्तैदी से चैकन्ने होकर कार्यो का संपादन करने पर बल दिया है। अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर ने बैठक में एफएसटी, एसएसटी दलों के द्वारा संपादित किया जा रहे कार्यो के संबंध में कहा कि जिले की दोनो संसदीय क्षेत्रों की पांचो विधानसभाओं में गठित दलों के द्वारा संबंधित सीमा क्षेत्रों से गुजरने वाले वाहनों की सघन जांच, पड़ताल कार्य जारी रहे, उन्होंने कहा कि उपरोक्त सभी दल संबंधित क्षेत्र में मुस्तैद रहकर बारीकी से वाहनों की जांच करें और शंका होने पर जप्ती की कार्रवाई भी नियमानुसार की जाए। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभाकक्ष में सम्पन्न हुई इस बैठक में वन मण्डलाधिकारी श्री ओमकार सिंह मर्सकोले, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती मोहिनी शर्मा, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शशि मिश्रा के अलावा विभिन्न विभागो के जिलाधिकारी, विदिशा एसडीएम श्री क्षितिज शर्मा के अलावा समस्त नोडल अधिकारी मौजूद रहें।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने स्वीप गतिविधियों का आयोजन जारी

विदिशा (निप्र)। लोकसभा निर्वाचन 2024 में मतदान प्रतिशत बढ़ाने तथा विदिशा जिला सर्वाधिक मतदान वाला जिला बने इस उद्देश्य से जिले में निरंतर स्वीप गतिविधियों का आयोजन कर जिले के मतदाताओं को मतदान दिवस 07 मई 2024 को अपने नियत मतदान केन्द्रों पर पहुंचकर मताधिकार का प्रयोग करने के लिए अभिप्रेरित किया जा रहा है। जिसके क्रम में आज नटेरन की ग्राम पंचायत मोही में ग्रामीण महिलाओं ने अपने हाथों पर मेहंदी लगाकर मतदान करने का संदेश दिया है। महिलाओं द्वारा अपने हाथों पर मतदाता जागरूकता पर आधारित विभिन्न प्रकार के स्लोगन लिखकर संदेश दिया है कि मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें यह सभी का अधिकार है।

मप्र में भाजपा के दिग्गज नेताओं ने संभाली कमान

- सिंधिया-शिवराज लगा रहे पूरा दम
- सीएम मोहन यादव का एमपी की इस सीट पर फोकस

भोपाल। मध्य प्रदेश में पहले चरण में 6 लोकसभा सीटों पर वोटिंग होनी है। ऐसे में बीजेपी ने इन सीटों पर प्रचार तेज कर दिया है। पीएम मोदी की सभाओं के बाद अब स्थानीय नेताओं ने मोर्चा संभाल लिया है। बुधवार को बीजेपी का धुंआधार प्रचार जारी रहेंगा। सीएम मोहन यादव छिंदवाड़ा लोकसभा सीट पर प्रचार की कमान संभालेंगे। वहीं उनके मंत्रिमंडल के सभी मंत्री भी प्रचार में जुटे हैं, इसके अलावा ज्योतिरादित्य सिंधिया भी गुना लोकसभा सीट पर प्रचार करेंगे जबकि बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा भी अब अपनी सीट खजुराहो में पूरी तरह से एक्टिव नजर आ रहे हैं।

बीजेपी का इस बार सबसे ज्यादा फोकस छिंदवाड़ा लोकसभा सीट पर बना हुआ है। सीएम मोहन यादव खुद छिंदवाड़ा में आज चार चुनावी सभाएं करेंगे। मुख्यमंत्री आज छिंदवाड़ा के साथ जुन्नारदेव , परासिया और अहीरवाड़ा में चुनावी सभाएं करेंगे। बीजेपी कमलनाथ के गढ़ में लगातार कांग्रेस को घेरने में जुटी है। खास बात यह है कि एक तरफ बीजेपी छिंदवाड़ा में पूरा जोर लगा रही है। सीएम मोहन यादव के अलावा मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और प्रहलाद सिंह पटेल भी आज छिंदवाड़ा के दौरे पर रहेंगे क्योंकि बीजेपी ने छिंदवाड़ा में कैलाश विजयवर्गीय को प्रभारी बनाया है तो प्रहलाद सिंह पटेल का भी यहां फोकस माना जाता है, ऐसे में दोनों सीनियर मंत्री भी छिंदवाड़ा में एक्टिव हैं।

ज्योतिरादित्य सिंधिया भी गुना लोकसभा सीट पर पूरा जोर लगा रहे हैं। सिंधिया आज गुना में अलग-अलग जगहों पर प्रचार करेंगे। सिंधिया के साथ-साथ उनका परिवार भी चुनाव में पूरी तरह से एक्टिव है। बेटा महाआर्यमन सिंधिया और पत्नी प्रियदर्शनी राजे सिंधिया भी गुना-अशोकनगर और शिवपुरी जिले में एक्टिव हैं। बता दें कि यह सीट भी प्रदेश की हाईप्रोफाइल सीट बनी हुई है। कांग्रेस ने इस बार यहां सिंधिया के खिलाफ राव यादवेंद्र सिंह को उतारा है।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी आज मध्य प्रदेश के दौरे पर रहेंगे। सीएम साय आज मंडला लोकसभा सीट पर बीजेपी प्रत्याशी फग्गन सिंह कुलस्ते के समर्थन में सभा करेंगे। सीएम साय मंडला और डिंडौरी कुलस्ते का मुकाबला यहां कांग्रेस के सीनियर विधायक ओमकार सिंह मरकाम से हैं। यह सीट भी इस बार दिलचस्प मानी जा रही है क्योंकि बीजेपी ने आदिवासी सीटों पर भी विशेष फोकस कर रखा है, ऐसे में सीएम साय का दौरा भी अहम माना जा रहा है। वहीं बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा भी खजुराहो में एक्टिव हो गए हैं। वीडी शर्मा आज कटनी के दौरे पर रहेंगे। इसके अलावा लोकसभा प्रदेश प्रभारी डॉ महेन्द्र सिंह सीहोर में, सह प्रभारी सतीश उपाध्याय शहडोल में पूर्व मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा राजगढ़ लोकसभा सीट पर प्रचार करेंगे।

दैनिक
सद्भावना पाती
...प्राणियों में सद्भावना हो...
इंदौर पाती
3
इंदौर, गुरुवार 11 अप्रैल, 2024

नारियल सात दिन में हुआ महंगा

इंदौर। नारियल में नवरात्र की भरपूर खरीदी निकलने और बाजार में माल की भारी शॉर्टेज होने के कारण कीमतों में एकतरफा तेजी बनी हुई है। नारियल में पिछले एक सप्ताह में करीब 300-400 रुपये प्रति बोरी की तेजी आ चुकी है। नारियल के उत्पादक केंद्र केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु में गर्मी का दबाव बढ़ने के कारण नारियल का स्टाक बेहद कमजोर है। वहीं, त्योहार की वजह से उत्पादक केंद्रों पर नारियल की डिमांड चारों तरफ से आने से वहां कीमतें बढ़ाकर बोली जा रही है, जिसका असर इंदौर मार्केट पर भी देखा जा रही है। नारियल में अभी पांच-सात दिन मांग अच्छी रहने की उम्मीद है।

कांग्रेस विधायक विक्रांत भूरिया पर एफआईआर दर्ज

झाबुआ। लोकसभा चुनाव से पहले झाबुआ से कांग्रेस विधायक डॉ. विक्रांत भूरिया की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं. मंगलवार को भूरिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है. यह केस मंत्री नागर सिंह चौहान के खिलाफ विवादित बयान को लेकर दर्ज किया गया है. भूरिया ने यह बयान 7 अप्रैल को पब्लिक मीटिंग में दिया था. उनके खिलाफ अलीराजपुर थाना में धारा 188 के तहत मामला दर्ज हुआ है विक्रांत भूरिया ने एक दिन पहले ही लोकसभा चुनाव से ठीक पहले मप्र युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पद छोड़ने का फैसला किया. बताया जा रहा है कि उन्होंने खुद यह पद छोड़ने की पेशकश करते हुए यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी को पत्र लिखकर पद की जिम्मेदारी किसी और को देने के लिए अनुरोध किया था. हालांकि, यूथ कांग्रेस ने कुछ देर बाद ही ग्वालियर के युवा कांग्रेसी नेता मितेंद्र दर्शन सिंह को एमपी यूथ कांग्रेस का प्रदेश अध्यक्ष बना दिया गया. मितेंद्र कांग्रेस के दिवंगत नेता दर्शन सिंह के पुत्र हैं.चुनावी समर में राजनीतिक दलों की रैलियों में जुबानी जंग तेज होती जा रही है. 3 दिन पहले कांग्रेस के सम्मेलन में कांग्रेस नेता और झाबुआ विधायक विक्रांत भूरिया ने रतलाम झाबुआ लोकसभा सीट से प्रत्याशी अनिता चौहान के पति और वन मंत्री नागर सिंह चौहान की तुलना चंबल के डकैत से कर दी थी और उनके परिवार के लोगों पर 10 हत्या के आरोप लगाये थे.

शातिर वाहन चोर पुलिस की गिरफ्त में

इंदौर। इंदौर शहर में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण हेतु अवैधानिक गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही के निर्देश पुलिस आयुक्त नगरीय राकेश गुप्ता एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त नगरीय अमित सिंह द्वारा दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के तारतम्य में कार्यवाही करते हुए पुलिस थाना खजराना द्वारा दोपहिया वाहन चोरीकरने वाले 2 शातिर वाहन चोरों को पकड़ने में सफलता प्राप्त हुई है।क्षेत्र में हो रही वाहन चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस उपायुक्त जोन-2 अभिनव विश्वकर्मा के मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन-2 अमरेंद्र सिंह व सहायक पुलिस आयुक्त अनुभाग खजराना कुंदन मंडलोई द्वारा थाना प्रभारी खजराना को विशेष कार्ययोजना बनाकर कार्यवाही के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए थे। इस तारतम्य में थाना प्रभारी खजराना द्वारा पुलिस टीम बनाई, जिन्होंने मुखबिर तंत्र को वाहन चोरों के संबंध में पतारसी के लिए सक्रिय किया गया साथ ही पुराने वाहन चोरों पर भी नजर रखी गई। इसी दौरान टीम द्वारा मुखबिर सूचना के आधार पर संदिग्ध आरोपी (1) मुकेश कनाडे उम्र 30 साल निवासी खजराना खेडी मूल निवासी ग्राम अंबड थाना पंधाना जिला खण्डवा (2) रितेश तिल्लोरे उम्र 25 साल निवासी मुमताज बाग गली नंबर 2 मूल निवासी ग्राम बमनगाँव जिला खण्डवा म.प्र को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों से मौके पर थाना खजराना के अपराध धारा 379 भादवि मे चोरी गई मोटर सायकल मौके पर जप्त की गई।

सिंगल फीडर लाइन के पोल पर बिजली गिरने के कारण इंसुलेटर खराब, सुधार कार्य के दौरान पंप ना चलने से जल आपूर्ति प्रभावित

इंदौर। अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने बताया कि तेज हवा और आंधी आने के कारण ओल्डइंटेक के ग्रिड पर पेड़ की डाली टूट कर गिरने के कारण नर्मदा प्रथम एवं द्वितीय चरण के सभी पंप बंद हो गए थे। घटना की सूचना मिलने पर निगम की सतर्कता से संधारण कार्य प्रारंभ करते हुए सभी पंप को पुनः चालू किया गया। उक्त संधारण कार्य के चलते बंद हुए पंप को पुनः चालू करने के दौरान शहर की विभिन्न पेयजल टंकियां को भरने में समय लगा जिसके कारण शहर में पेयजल टंकिया नहीं भर सकी जिसके कारण शहर के कई हिस्सों में जल प्रदाय नही हो सका।

नशा मुक्ति संबंधी बैठक 12 अप्रैल को

इंदौर। नशा मुक्ति से संबंधित बैठक 12 अप्रैल को कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई है। इस बैठक में नशा मुक्ति के क्षेत्र में कार्य करने वाली समस्त संस्थाएं, प्रोफेशनल, समाजसेवी इत्यादि शामिल होंगे। बैठक में नशा मुक्ति के संबंध में विस्तार से चर्चा कर भविष्य की कार्ययोजना तैयार की जायेगी।

कुख्यात जिलाबदर बदमाश सुरेश बंजारा पुलिस गिरफ्त में

इंदौर। शहर में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण हेतु तथा आगमी लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों व्दारा इंदौर कमिश्नरेट में लिस्टेड गुंडे, बदमाशों एवं अपराधियों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रख, सक्रिय बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में कार्यवाही करते हुए पुलिस थाना भंवरकुआं द्वारा जिलाबदर अवधि का उल्लंघन कर क्षेत्र में घूमने वाले कुख्यात बदमाश को पकड़ा गया है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आरोपी सुरेश बंजारा पिता जगदीश बंजारा उम्र 30 साल निवासी 92 राहुल गांधी नगर इन्दौर को पकड़ा है। आरोपी सुरेश बंजारा, क्षेत्र का कुख्यात बदमाश है जिसके विरुद्ध हत्या, अवैध वसूली, धमकाने, झगड़ा-मारपीट करने, एनडीपीएस एक्ट, अवैध हथियार, रखने आदि जैसे विभिन्न गंभीर धाराओं के 18 अपराध पूर्व से पंजीबद्ध है। आरोपी की आपराधिक प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिए आरोपी को 09 माह की अवधि के लिए जिले की राजस्व सीमा से जिलाबदर किया गया था लेकिन आरोपी उक्त जिलाबदर अवधि का उल्लंघन कर क्षेत्र में घूम रहा था। जिस पर आरोपी बदमाश सुरेश बंजारा के विरुद्ध पुलिस थान भँवरकुआं इन्दौर पर अपराध धारा 14 म.प्र. राज्य सुरक्षा अधिनियम पंजीबद्ध कर, विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं।

लोकसभा चुनाव इंदौर : प्रत्याशी कर्ज ले सकेगा चंदा नहीं

इंदौर। आम चुनाव में उम्मीदवार बने रहे प्रत्याशियों के लिए प्रचार और लोगों का समर्थन हासिल करना ही अकेली चुनौती नहीं है। चुनावी अभियान के संचालन के बीच खर्च का हिसाब-किताब रखना भी आसान नहीं है। हालांकि लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी बन रहे उम्मीदवार इस साल थोड़ी राहत महसूस कर सकते हैं। चुनाव आयोग ने खर्च की सीमा में पूरे 25 लाख रुपये की वृद्धि की है। हालांकि खर्च के नियमों की सख्ती अब भी जारी है।इन आम चुनाव में प्रत्येक लोकसभा सीट से प्रत्याशी बनने वाला उम्मीदवार अधिकतम 95 लाख रुपये खर्च कर सकता है। खर्च की गिनती तब से शुरू होगी जबसे वह उम्मीदवार अपना नामांकन दाखिल करता है। प्रत्येक उम्मीदवार को चुनाव खर्च के लिए अलग से बैंक खाता खुलवाना होगा। उस करंट खाते के जरिये ही उम्मीदवार चुनाव का खर्च कर सकेगा।

नकद खर्च को लेकर भी बंधन लागू है। पूरे चुनावी दौर में कोई भी उम्मीदवार एक व्यक्ति को 10 हजार से ज्यादा का भुगतान नकद नहीं कर सकता। उम्मीदवार इस खाते में खुद के पास मौजूद पूंजी के साथ परिवार, अपने दल या किसी से कर्ज लेकर पैसा जमा कर सकता है लेकिन चंदा नहीं ले सकता है। दोनों प्रमुख दलों ने चुनावी खर्च का संयोजन करने व प्रत्याशियों का हिसाब-किताब मेंटेन करने के लिए पेशेवरों की टीम बनाई है। भाजपा ने केंद्रीय स्तर पर संगठन से जुड़े चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को जिम्मेदारी दी है। इस बीच कांग्रेस के उम्मीदवारों के लिए भी भोपाल से सीधे निर्देश मिल रहे हैं। जिनके आधार पर स्थानीय पेशेवर उनके अकाउंट मैनेज करेंगे। कर पेशेवरों के अनुसार चुनावी खर्च की सीमा नामांकन से लेकर परिणाम तक लागू होगी। ऐसे में प्रत्याशियों को परिणाम घोषित होने तक इसका ध्यान रखना होगा। उन्हें खर्च का एक रजिस्टर्ड तो बनाना होगा, बल्कि उसमें हर खर्च के बिल भी नत्थी करना होंगे। चुनाव आयोग के अधिकारी हिसाब को समय-समय पर जांचेंगे। ऐसी कोई भी रैली-सभा जिसमें प्रत्याशी मंच पर होगा या उसके बैनर-पोस्टर लगेंगे वह उसके खर्च में जुड़ेगा।

शादी में वोट मांगा तो पूरा खर्च प्रत्याशी का

कर पेशेवर प्रत्याशियों को सावधान कर रहे हैं कि शादियों के मौसम में वे विशेष ध्यान रखे। सामाजिक आयोजन, शादी या पार्टी में प्रत्याशी शामिल तो हो सकते हैं, लेकिन ऐसी किसी शादी-पार्टी या आयोजन में उनके लिए वोट की अपील कर दी गई या कोई फोटो-बैनर लगा दिया गया तो उस पूरे आयोजन का खर्च उसके चुनावी खर्च में जोड़ लिया जाएगा।

1952 में हुए पहले लोकसभा चुनाव में किसी भी प्रत्याशी के लिए चुनावी खर्च की अधिकतम सीमा 25 हजार तक की गई थी। बीते लोकसभा चुनाव यानी 2019 तक लगातार बढ़ते हुए यह सीमा 70 लाख रुपये तक पहुंच गई थी। इस बार के चुनाव के लिए खर्च की सीमा में सबसे बड़ी वृद्धि यानी 25 लाख रुपये की गई। अब सीमा 95 लाख कर दी गई है। दलों के लिए ऐसी कोई सीमा निर्धारित नहीं की गई है। चुनाव आयोग एक बुकलेट जारी कर रहा है। इसमें हर तरह के व्यय की दर निर्धारित है। यदि उम्मीदवार बिल नहीं प्रस्तुत करता है तो उस दर के अनुसार आयोग खर्च का गणित लगाकर उसके हिसाब में शामिल कर लेगा।

15 अप्रैल से 15 जुलाई बिना कोट के पैरवी कर सकेंगे वकील, मप्र राज्य अधिवक्ता परिषद ने जारी किए निर्देश

-गर्मी को देखते हुए बार काउंसिल किया छूट देने का फैसला

हाई कोर्ट सुप्रीम कोर्ट में नहीं मिलेगी छूट

इन्दौर। मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद जबलपुर के अधिसूचना जारी कर मध्यप्रदेश के सभी जिला न्यायालयों में अभिभाषकगण को 15 अप्रैल से 15 जुलाई 2024 तक बिना काला कोट पहने पैरवी करने की छूट प्रदान कर दी है। गर्मी को देखते हुए स्टेट बार काउंसिल ने प्रदेशभर के वकीलों को तीन माह के लिए काले कोट से छूट देने का फैसला लिया है। हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट में यह छूट नहीं मिलेगी।

इन्दौर अभिभाषक संघ के पूर्व-अध्यक्ष गोपाल कचोलिया ने बताया है कि मध्यप्रदेश के सभी वकील बिना काला कोट पहने मध्यप्रदेश के जिला न्यायालयों और उनके अधीनस्थ न्यायालयों में पैरवी कर सकेंगे। इससे गर्मी से परेशान हो रहे वकीलों को काफी राहत महसूस मिलेगी। कचोलिया ने बताया है कि इस दौरान वकीलों को सफेद शर्ट व काला, सफेद, धारी या ग्रे कलर का पेंट पहनकर और एडवोकेट बेंड बांधकर जिला न्यायालयों और उनके अधीनस्थ न्यायालयों में पैरवी करना होगी। अलबत्ता हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट में पैरवी के वक्त उन्हें यह छूट/राहत नहीं मिलेंगी। कचोलिया ने बताया कि प्रदेश के कई तहसीलों व जिलों में यह हालात है कि बैठने की जगह की तुलना में वकीलों की तादाद काफी ज्यादा है। ऐसे में उन्हें खुले में बैठना पड़ता है या तंग जगह में काम करना पड़ता है। काउंसिल के इस निर्णय से प्रदेश के करीब एक लाख वकीलों को फायदा पहुंचेंगा।

शहर में लोगों की पेंशन पर संकट, खातों को बंद करना हमारी मजबूरी

इंदौर। आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए शुरू की गई संबल योजना के तहत पेंशन ले रहे शहर के 35 हजार से ज्यादा लोगों की पेंशन खतरे में है। इन लोगों को ई-केवायसी करवाना है लेकिन ये लोग सत्यापन ही नहीं करवा रहे। इतना ही नहीं इन लोगों से संपर्क भी नहीं हो पा रहा है। लोकसभा चुनाव के बाद ऐसे सभी खाते बंद कर दिए जाएंगे।शासन द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, निशक्त पेंशन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, मुख्यमंत्री कल्याणी पेंशन, मुख्यमंत्री अविवाहिता पेंशन सहित 12 तरह की पेंशन योजनाएं चलाई जाती हैं। इनके तहत हितग्राही को प्रतिमाह 600 रुपये की आर्थिक सहायती की जाती है। इंदौर नगर निगम क्षेत्र में एक लाख से ज्यादा हितग्राही हैं। वर्तमान में जो व्यवस्था लागू है उसके हिसाब से पेंशन की राशि सीधे इन हितग्राहियों के बैंक खाते में पहुंच जाती है। अब शासन के आदेश के बाद इन सभी हितग्राहियों का भौतिक सत्यापन किया जाना है।

आधार से लिंक की जा रही है पेंशन

अब तक सिर्फ समग्र आइडी होने पर ही पेंशन शुरू कर दी जाती थी, लेकिन अब इन हितग्राहियों के बैंक खातों के सत्यापन के साथ-साथ इन खातों को उनके आधार से भी लिंक किया जा रहा है ताकि किसी भी तरह की गड़बड़ी की आशंका ही नहीं रहे। नगर निगम का गरीबी गरीबी उपशमन विभाग इसके लिए सतत प्रयास भी कर रहा है। खास बात यह है कि निगम के सभी कार्यालयों में केवायसी की सुविधा निश्शुल्क उपलब्ध करवाई गई है। हितग्राही चाहें तो खुद भी खातों की केवाईसी कर सकते हैं। बावजूद इसके 35 हजार से ज्यादा हितग्राही हैं जिन्होंने अब तक केवायसी नहीं करवाई।गरीब उपशमन समिति प्रभारी मनीष शर्मा मामा का कहना है कि नगर निगम की मंशा किसी भी पेंशन खाते को बंद करने की नहीं है, लेकिन केवाईसी नहीं होने की स्थिति में इन खातों को बंद करना हमारी मजबूरी है। हम लगातार कोशिश कर रहे हैं कि ज्यादा से ज्यादा खातों की केवाईसी हो जाए, लेकिन हितग्राही मिल ही नहीं रहे।

चारों फ्लायओवरों से जल्दी दौड़ने लगेगा यातायात

इंदौर। प्राधिकरण द्वारा लवकुश चौराहा पर डबल डेकर के साथ सिक्स लेन का फ्लायओवर भी बनाया जा रहा है। इसमें डबल डेकर तो अगले साल पूरा होगा, मगर जो निर्माणाधीन चार चौराहों के फ्लायओवर हैं, उन पर इसी साल यातायात दौडऩे लगेगा। हालांकि मंदिरों के साथ कुछ अन्य बाधाएं अभी भी कायम हैं। मगर 24 ही घंटे इन फ्लायओवरों का निर्माण चल रहा है। खजराना फ्लायओवर की एक भुजा तो अभी जून अंत तक ही शुरू कर दी जाएगी और दूसरी भुजा की तरफ मंदिर की शिफ्टिंग और व्यवस्थापन होना है। प्राधिकरण द्वारा जहां मास्टर प्लान की सडक़ों का निर्माण किया जा रहा है, वहां कल भी कलेक्टर आशीष सिंह ने अधिकारियों के साथ इन सडक़ों का दौरा किया। दरअसल मास्टर प्लान में प्रस्तावित 152.80 किलोमीटर में से 80.40 किलोमीटर की सडक़ें प्राधिकरण बना चुका है, वहीं चार व्यस्त चौराहों पर इन दिनों तेज गति से फ्लायओवरों का निर्माण चल रहा है, जिसमें खजराना चौराहा के फ्लायओवर पर 41

करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च हो रही है और इसकी एक लेन जून अंत तक, तो दोनों लेन अक्टूबर तक पूरी हो जाएगी।यही स्थिति भंवरकुआं चौराहा की है, जहां पर एक लेन अगस्त, तो दूसरी अक्टूबर में शुरू की जाना है, वहीं संत सेवालाल फ्लायओवर का भी काम शुरू हो गया है और इस फ्लायओवर से भी इसी साल यातायात दौडऩे लगेगा। लवकुश चौराहा पर लेवल-1 और लेवल-2, तो फ्लायओवरों का निर्माण प्राधिकरण कर रहा है, जिसमें सिक्स लेन के फ्लायओवर पर 67 करोड़ रुपए खर्च हो रहे हैं और इसकी भी एक लेन जुलाई अंत तक शुरू हो जाएगी, तो दूसरी लेन से अक्टूबर अंत तक यातायात गुजरने लगेगा। अलबत्ता डबल डेकर फ्लायओवर में अवश्य समय लगेगा, जिस पर 175 करोड़ रुपए की बड़ी राशि खर्च की जा रही है और यह प्रदेश में अपनी तरह का पहला और अनूठा डबल डेकर फ्लायओवर रहेगा, जिसमें मेट्रो भी गुजरेगी और यह अगले साल अगस्त तक पूरा हो सकेगा, वहीं निर्माणाधीन फ्लायओवरों में मंदिरों की शिफ्टिंग और व्यवस्थापन की बाधाएं अभी भी कायम हैं। चुनाव के चलते भी प्रशासन धार्मिक स्थलों की शिफ्टिंग करने में झिझक रहा है।

सुपर स्पेशलिटी में ईआरसीपी मशीन शुरू

प्रदेश का पहला अस्पताल जहां मरीजों को मिली यह सुविधा

इंदौर। एमजीएम मेडिकल कालेज के सुपर स्पेशिएलिटी अस्पताल में एंडोस्कोपिक रिट्रोग्रेड कोलेंजियो पैनक्रिएटोग्राफी (ईआरसीपी) मशीन से जांच और इलाज की सुविधा मिलना शुरू हो गई है। यह प्रदेश का पहला गवर्नमेंट अस्पताल है, जहां यह मशीन शुरू की गई है। इससे मरीजों को अब महंगे इलाज से राहत मिलने लगेगी। बड़े अस्पताल कहे जाने वाले एमवाय अस्पताल में यह मशीन तीन साल पहले ही आ गई थी लेकिन आज तक शुरू नहीं की गई है। ईआरसीपी मशीन से लिवर, पित्ताशय की थैली, आहार नली, पथरी, पीलिया आदि का इलाज किया जाएगा। लिवर की नलियों के कैंसर के इलाज में भी उपयोग होती है। इसका प्राइवेट अस्पतालों में खर्च 30 हजार रुपये से लेकर जटिल आपरेशन में दो लाख रुपये तक होता है, लेकिन यहां शुरू होने से अब इसका शुरुआती खर्च आठ से 10 हजार रुपये तक ही आएगा। आयुष्मान योजना अंतर्गत मरीजों को यह सुविधा निशुल्क मिलने लगेगी। ईआरसीपी,

इंडोस्कोपी, फ्लोरोस्कोपी के माध्यम से अब मरीजों को बेहतर इलाज मिलने लगेगा। जिन लोगों की आहार नली सिकुड़ जाती है, उन्हें भी आधुनिक इलाज से चौड़ा किया जा सकेगा। इसके शुरू हो जाने से सिर्फ इंदौर ही नहीं, बल्कि प्रदेशभर के मरीजों को लाभ मिलने लगेगा। इसके लिए अस्पताल में 50 लाख रुपये की ईआरसीपी मशीन, 15 लाख रुपये की सी-आर्म मशीन और पांच लाख की ओटी टेबल आई है। अभी इससे एक मरीज के पित्त की नली का दूरबीन से आपरेशन किया जा चुका है। पहले ईआरसीपी से सिर्फ जांच होती थी, लेकिन अब अन्य मशीनों के साथ इसे जोड़कर आपरेशन भी किए जाने लगे हैं। उधर एमवाय अस्पताल में करीब तीन वर्ष पहले ईआरसीपी मशीन आई थी, लेकिन अभी तक यह शुरू ही नहीं हो पाई है। इसके शुरू नहीं होने का कारण विभाग में पदस्थ डॉक्टरों का रुचि न लेना है। मरीजों को जांच के लिए प्राइवेट अस्पतालों में भेजा जा रहा है और हर माह लाखों रुपये कालेज प्रबंधन निजी अस्पतालों को दे रहा है।

रावजी बाजार क्षेत्र का कुख्यात बदमाश एवं एनएसए के आरोपी हारून रंगीला को क्राइम ब्रांच ने दबोचा

इंदौर। शहर में अपराध नियंत्रण हेतु कमिश्नरेट में विभिन्न प्रकरणों में फरार, एनएसए जिलाबदर एवं कुख्यात सक्रिय बदमाशों के विरूध्द प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं। इसी तारतम्य में मुखबिर की सूचना पर अपराध शाखा एवं थाना रावजी बाजार की टीमों द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुये आरोपी हारुन रंगीला उर्फ हसन पिता युसुफ रंगीला निवासी चम्पाबाग इंदौर को पकड़ा। आरोपी काफी शातिर एवं कुख्यात बदमाश हैं। हारून रंगीला रावजी बाजार थाना का आदतन अपराधी है। इसके विरुद्ध हत्या, हत्या के प्रयास, मारपीट, अपहरण, बलवा, अवैध हथियार, अवैध वसुली, घर में घुसकर मारपीट करना, धोखाधडी, रास्ता रोककर मारपीट करना, जान से मारने की धौंस देना, जिलाबदर उल्लंघन जैसे गंभीर अपराध पंजीबद्ध हैं।

आरोपी हारुन उर्फ हसन की आपराधिक प्रवृत्ति एवं जन शांति बनाये रखने हेतु जिला दण्डाधिकारी महोदय जिला इंदौर द्वारा आरोपी के विरुद्ध एनएसए की कार्यवाही कर आरोपी हारुन को न्यायिक हिरासत में रखने हेतु वारंट जारी किया गया जो वारंट जारी होने की दिनांक से ही फरार चल रहा था । आरोपी हारुन के विरुद्ध थाना रावजी बाजार द्वारा वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं।

इंदौर एयरपोर्ट पर पकड़ाया तस्करी का 5 किलो सोना

शारजाह से आने वाली फ्लाइट के यात्री से डीआरआई ने जब्त किया 2.94 करोड़ का सोना

इंदौर। डायरेक्टोरेट आफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) ने विदेश से तस्करी कर लाए करीब पांच किलो सोने के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। इंदौर एयरपोर्ट पर मंगलवार रात डीआरआई ने शारजाह से आने वाली उड़ान संख्या आइएक्स-256 से सोना लेकर एयरपोर्ट पर उतरे आरोपी पर कार्रवाई की। डीआरआई को इस संबंध में गोपनीय सूचना मिली थी। आरोपित मूलत- गुजरात का रहने वाला बताया जा रहा है। डीआरआई के अनुसार उड़ान से उतरने के बाद शक के आधार पर एग्जिट लाबी में उस व्यक्ति को रोका गया और पूछताछ की गई। गोपनीय सूचना के आधार पर हुई गहन पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि वह सोना लेकर आया है। आगे की जांच में उसके पास से 4.94 किलो सोना बरामद हुआ। इसकी कीमत करीब 2 करोड़ 94 लाख आंकी गई है। सोने को छुपाने के लिए इसे उसने पेस्ट के रूप में बदल लिया था। उसने अपने अंतर्वस्त्र के साथ ही जूते के सोल में भी सोना छुपाया हुआ था। सोने को जब्त करने के साथ ही संबंधित व्यक्ति को कस्टम्स एक्ट 1962 के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है। आगे पूछताछ जारी है। इसमें पता लगाया जा रहा है कि यह व्यक्ति किस गिरोह के लिए कैरियर का काम करता है। इस मामले में सूचना देने वाले को भी डीआरआई पुरस्कृत करेगा। डीआरआइ और कस्टम्स जैसी केंद्रीय एजेंसियों को आशंका है कि आने वाले दिनों में सोने की तस्करी के मामले बढ़ेंगे। दरअसल, सोने के दाम सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गए हैं। बुधवार को सोना 73 हजार रुपये प्रति दस ग्राम के दाम पर भारतीय बाजारों में बिक रहा था। दुबई और इंदौर के सोने के दाम में टैक्स-ड्यूटी के कारण प्रति दस ग्राम करीब आठ हजार रुपये का अंतर आ रहा हैं। ऐसे में तस्कर ऊंची कीमतों और मुनाफे को देखते हुए विदेश से अधिक सोना लाने की कोशिश करेंगे। डीआरआइ ने घोषणा की है कि सोने, मादक पदार्थ जैसी किसी भी तस्करी की सूचना देने वाले व्यक्ति को पुरस्कृत किया जाएगा। बरामदगी के आधार पर उसे नकद पुरस्कार दिया जाएगा।

संपादकीय | राजनेताओं की आपत्तिजनक टिप्पणी अशोभनीय

संसद में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटें आरक्षित करने संबंधी नारी शक्ति वंदन अधिनियम पिछले मानसून सत्र में पारित हो गया। हालांकि यह कानूनी प्रावधान अगले लोकसभा चुनाव से प्रभावी होगा, पर लंबे समय से रुकी पड़ी इस मांग के पूरा हो जाने से इसलिए महिलाओं में उत्साह है कि राजनीति में उनकी उपस्थिति बढ़ेगी और वे व्यवस्था संबंधी महत्त्वपूर्ण निर्णयों में सहभागिता कर सकेंगी। मगर महिलाओं को लेकर खुद राजनेताओं में जैसा संकुचित दृष्टिकोण देखा जाता है, उससे संदेह होता है कि उन्हें वास्तव में कितनी शक्ति और कितना सम्मान मिल पाएगा। चुनावी गहमागहमी में राजनेता अक्सर प्रतिद्वंद्वी नेताओं पर व्यक्तिगत टिप्पणी करने से भी परहेज नहीं करते। वे भूल जाते हैं कि किसी महिला के बारे में अशोभन टिप्पणी करने से बचना चाहिए। ममता बनर्जी, हेमा मालिनी और कंगना रनौत पर की गई टिप्पणियां इसका ताजा उदाहरण हैं।

इसके पहले भी कई चुनाव अभियानों के दौरान विभिन्न पार्टियों के जिम्मेदार माने जाने वाले नेताओं की तरफ से प्रतिद्वंद्वी पार्टी की महिला उम्मीदवारों और नेताओं पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों और लहजों को याद किया जा सकता है। चुनाव के अलावा, सामान्य अवसरों पर भी, महिला नेताओं के खिलाफ कई बार अशोभन वक्तव्य सुने गए हैं।

लोकतंत्र में राजनेता अपने प्रतिद्वंद्वी पर तीखी टिप्पणियां कर सकते हैं, मगर इसका यह अर्थ नहीं कि लोकतंत्र की मर्यादा को ताक पर रख दिया जाए। राजनीति में सार्वजनिक वक्तव्यों का महत्त्व होता है। अगर कोई बड़ा नेता अपने किसी प्रतिद्वंद्वी के बारे में टिप्पणी करता है, तो निचली

कतार के नेता उसे आगे बढ़ाते हैं। इसलिए उनसे न केवल शब्दों के चुनाव, बल्कि लहजे पर लगाम की भी अपेक्षा की जाती है।

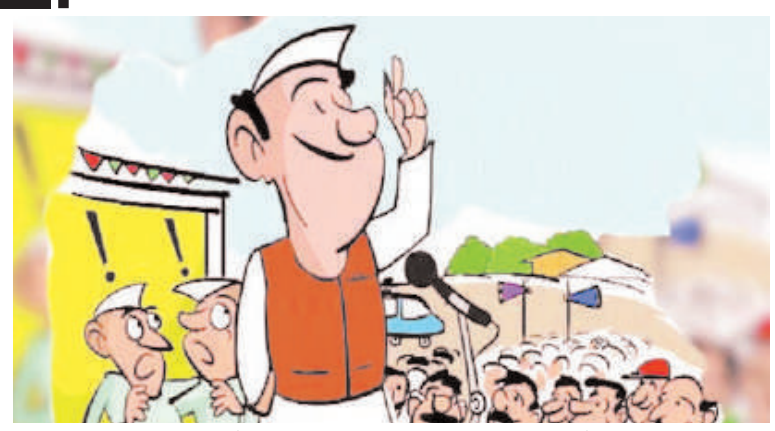

राजनीति में भाषा एक बड़ा औजार होता है। अगर उसे ठीक से बरतना न आए, तो कई बार खुद को भी जख्मी कर लेने का खतरा रहता है। किसी महिला के प्रति अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल तो यह भी जाहिर करता है कि टिप्पणी करने वाले का महिला समाज के प्रति दृष्टिकोण क्या है।

संसद में महिला आरक्षण को लेकर चली बहसों के समय की कुछ टिप्पणियों की गूंज आज तक इसीलिए बनी हुई है कि उनसे पूरे महिला समाज के सम्मान पर प्रश्नचिह्न लगा था। राजनीतिक दलों की अगली कतार में सामान्य महिलाओं की उपस्थिति वैसे भी न के बराबर है। ऐसे में महिलाओं के प्रति दुराग्रहपूर्ण टिप्पणियां इस विडंबना को और गहरा करती हैं।

यह भी चिंता का विषय है कि आखिर राजनीति में भाषा की मर्यादा इतनी धुंधली क्यों होती जा रही है कि राजनेता संसद और विधानसभाओं से लेकर सार्वजनिक मंचों तक पर बेलगाम कुछ भी बोलने में संकोच नहीं करते। महिलाओं के प्रति हमारे पुरुष प्रधान समाज का नजरिया किसी से छिपा नहीं है। मगर जिन पर समाज और व्यवस्था की विसंगतियां दूर करने की जिम्मेदारी है, अगर वे भी उसी संकीर्ण मानसिकता से ग्रस्त हों, तो महिला शक्ति और उसके सम्मान की आकांक्षा भला कहां तक पूरी हो पाएगी।

शीर्ष नेतृत्व की संकीर्णता और दुराग्रह छन कर नीचे तक पहुंचते हैं। हर राजनीतिक दल महिलाओं को बराबरी का हक दिलाने का दम भरता देखा जाता है, सत्ता में आने पर महिला सुरक्षा के दावे करता भी नहीं थकता, मगर जब तक खुद राजनेताओं के मन में महिलाओं के प्रति सम्मान पैदा नहीं होगा, तब तक उन्हें शक्ति दिला पाना संभव नहीं होगा।

सोशल मीडिया से...

कांग्रेस और उसके इंडी गठबंधन को देश की महान विभूतियों का अपमान करने में भी संकोच नहीं होता। कांग्रेस के या समाजवादी पार्टी के बड़े नेता आज तक कभी स्टैच्यू आफ यूनिटी नहीं गए। ये लोग विदेश घूम आते हैं, लेकिन अपने ही देश में सरदार पटेल की प्रतिमा का दर्शन नहीं करते।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

'जेल में खूब किताबें पढ़ने का मौका मिला। इसके लिए मोदी जी का धन्यवाद देता हूं। इतनी किताबें तो मैं 6 साल में भी नहीं पढ़ पाया, जितनी 6 महीनें में पढ़ लीं। नेल्सन मंडेला, भगत सिंह, महात्मा गांधी और विनायक दामोदर सावरकर को भी पढ़ा।'

संजय सिंह, आप नेता

लालू यादव कुछ भी करें उससे कोई फर्क नहीं पड़ता। वह जातीय उन्माद फैलाने का प्रयास करते हैं। बिहार की जनता जानती है कि वह भ्रष्टाचारी हैं सिर्फ परिवार के लिए जीते हैं। किसी दूसरे के लिए वह कुछ नहीं कर सकते।

सम्राट चौधरी
डिप्टी सीएम बिहार

मोदी जी ने 22-25 लोगों का 16 लाख करोड़ रुपए का कर्जा माफ किया है। मनरेगा को चलाने में 65 हजार करोड़ रुपए लगते हैं। मोदी जी ने 24 साल का मनरेगा का पैसा कर्जे का माफ कर दिया, लेकिन वो किसानों का, गरीबों का, मजदूरों का कर्जा माफ नहीं करते।

राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

आज का कार्टून

इजराइल हिटलर से अधिक जुल्म कर रहा है

'प्रलेसं के स्थापना दिवस पर राष्ट्रीय स्तर पर फिलिस्तीनी जनता के साथ एकजुटता'

> मत रो बच्चे
> तू मुस्काएगा तो शायद
> सारे इक दिन भेस बदल कर
> तुझसे खेलने लौट आएंगे- फ़ैज़ अहमद फ़ैज

इंदौर। प्रगतिशील लेखक संघ की इंदौर इकाई ने अपना स्थापना दिवस फिलिस्तीनी जनता के संघर्ष के नाम समर्पित किया। अभिनव कला समाज सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में कलाकारों ने फिलिस्तीन कवियों के गीत गाए, उनके संघर्षों पर केंद्रित कविताओं का वाचन किया, फिलिस्तीनी चित्रकारों के चित्रों का पावर पॉइंट प्रजेंटेशन और उसकी व्याख्या की। वक्ताओं ने इजराइल द्वारा फिलिस्तीनी जनता पर ढ़ाए जा रहे जुल्मों की तुलना हिटलर के अत्याचारों से की।

प्रगतिशील लेखक संघ एवं भारतीय जन नाट्य संघ (इप्टा) की इंदौर इकाई द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत इप्टा इंदौर द्वारा अफ्रीकन क्रांतिकारी कवि पॉल रॉबसन पर केंद्रित गीत ÷वो हमारे गीत क्यों रोकना चाहते हैं÷ से हुई जिसे तुर्की कवि नाज़िम हिकमत ने लिखा एवं सलिल चौधरी द्वारा संगीतबद्ध किया। उजान, अथर्व एवं विनीत तिवारी ने इस गीत को प्रस्तुत किया। इप्टा के वरिष्ठ साथी विजय दलाल ने विश्व में शांति कायम हो इस पर केंद्रित दो गीत गाए। कार्यक्रम की भूमिका रखते हुए प्रलेसं के राष्ट्रीय सचिव विनीत तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रगतिशील लेखक संघ का गठन शांति के पक्ष तथा विश्व में जारी युद्ध के विरुद्ध हुआ था। सज्जाद ज़हीर, प्रेमचंद सहित अनेक समकालीन लेखकों, कलाकारों द्वारा गठित इस संगठन का विस्तार पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल से होता हुआ एफ्रो एशियाई लेखकों के संगठन के रूप में सामने आया। उन्होंने बताया कि आज ही के दिन संगठन के वरिष्ठ साथी विख्यात लेखक राहुल सांकृत्यायन और क्रांतिकारी अफ्रीकी कवि, नाट्यकर्मी, फुटबॉलर एवं सामाजिक कार्यकर्ता पॉल रॉबसन का भी जन्म हुआ था। फिलिस्तीन समस्या के बारे में विनीत तिवारी ने बताया कि इसराइल के गठन के बीज 1917 में अंग्रेजों द्वारा ÷फूट डालो राज करो÷ की नीति के तहत बोए गए थे।

प्रलेसं इकाई अध्यक्ष डॉ जाकिर हुसैन ने कहा कि इजरायल द्वारा बड़े पैमाने पर महिलाओं, बच्चों की हत्या की गई है। यूरोपीय देशों का दोगलापन सामने आया है। एक तरफ वे ग़ज़ा में खैरात बांट रहे हैं दूसरी तरफ इसराइल को नित नए शास्त्र देकर फिलिस्तीनियों के कत्लेआम में मदद कर रहे हैं। भारत सदैव फिलिस्तीन जनता के पक्ष में रहा है लेकिन वर्तमान सरकार इसराइल के साथ खड़ी है। प्रो. ने फिलिस्तीन की जनता के संघर्ष पर केंद्रित स्वरचित नज़्म का पाठ किया।

प्रलेसं की वरिष्ठ साथी सारिका श्रीवास्तव ने कहा कि पिछले दिनों से इजराइल जिस तरह फिलिस्तीन की जनता खासकर बच्चों एवं महिलाओं का जनसंहार कर रहा है, पूरी दुनिया उसे लाइव देख रही है। तबाह होते स्कूलों, मकानों और उनके मलबों के नीचे दबे बच्चों के रोने की आवाजों को हम लाइव देख रहे हैं। हम लाइव देख-सुन रहे हैं अस्पताल में घायल बच्चों की बिना एनसथीसिया दिए की जा रही सर्जरी में उनकी दर्द भरी चीत्कार, भूख से तड़पते और खाने के लिए हाथ फैलाते बच्चों को हम लाइव देख रहे हैं, मलबे के नीचे से सड़ी-गली लाशों का निकाला जाना भी लाइव देख रहे हैं और ऐसे में याद आती हैं कवि सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की कविता- यदि तुम्हारे घर के एक कमरे में लाशें सड़ रही हों, तो क्या तुम दूसरे कमरे में प्रार्थना कर सकते हो? और बरबस कहने का मन करता है, नहीं, हम सब यह लाइव देख रहे हैं। हिटलर के गैस चैंबर तो चुनिंदा थे, इसराइल ने तो संपूर्ण फिलिस्तीनी बस्तियों को गैस चैंबर में बदल दिया है। त्रासदी तो यह है कि फिलिस्तीनियों का टॉर्चर होते सारी दुनिया %लाइव% देख रही है। रमजान के महीने में रोजेदार सेहरी और इफ्तारी करते हैं, फिलिस्तीनियों के रोज़े तो न जाने कब से चल रहे हैं, उन्हें जब भी, जो भी खाने को मिल जाए वही समय उनका सेहरी-इफ्तारी का होता है। सारिका ने अनुराधा अनन्या की कविता ÷फिलिस्तीन को छोड़ दो÷ का पाठ किया।

आयोजन की केंद्र बनी विनीत तिवारी द्वारा फिलिस्तीन के चित्रकारों के रंगीन, ऊर्जावान एवं जीने और आजादी की चाहत लिए बनाए गए चित्रों की पॉवर पॉइंट प्रजेंटेशन से। जिसमें विनीत ने सिलसिलेवार चित्रों के संयोजन, फ़िलिस्तीन के संघर्ष को दिखाया। इसमें विनीत ने फ़िलिस्तीन के चित्रकार- नबील अनानी, इस्माइल शाम्मूत, हेबा ज़गूत (2023 में बम विस्फोट में दो बच्चों सहित मारी गईं), मालक मत्तार (24 वर्षीय युवा चित्रकार लड़की) के संघर्ष और उनके चित्रों को दिखाया। इजराइल द्वारा फ़िलिस्तीन और इजराइल के बीच बनाई दीवार पर फ़िलिस्तीनी चित्रकारों द्वारा बनाए चित्रों का वर्णन करने और समझाते हुए बेहद रोचक एवं प्रभावी प्रस्तुति दी। आयोजन के अंत में आभार व्यक्त करते हुए प्रलेसं इकाई सचिव हरनाम सिंह ने कहा कि फिलिस्तीन की पीड़ा को वैश्विक संवेदना की जरूरत है। जब तक जुल्म, अन्याय और अत्याचार जारी रहेगा, तब तक उसका प्रतिरोध भी बना रहेगा। इप्टा इकाई सचिव प्रमोद बागड़ी, अशोक दुबे, विवेक मेहता, अंजुम पारेख, विजया देवड़ा, अनुराधा तिवारी, हेमलता, रुद्रपाल यादव, दिलीप कौल, भारत सिंह, पत्रकार दीपक असीम, युवा साथी, मानस, विवेक, नितिन, आदित्य, विकास की उपस्थिति महत्त्वपूर्ण थी।

निःशुल्क प्लास्टिक सर्जरी एवं ग्रीवा कैंसर की पेप स्मीयर जाँच का शिविर 12 अप्रैल से

इंदौर। इंदौर के रार्बट नर्सिंग होम में 23वां निःशुल्क प्लास्टिक सर्जरी शिविर का आयोजन 12 अप्रैल से शुरू होगा। यह शिविर 14 अप्रैल तक चलेगा। शिविर का शुभारंभ सुबह साढ़े 9 बजे किया जायेगा। इस अवसर पर संभागायुक्त दीपक सिंह, कलेक्टर आशीष सिंह तथा उद्योगपति एवं समाजसेवी गिरीश मतलानी भी उपस्थित रहेंगे।

बताया गया कि यह शिविर सहायता संस्था के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर में विशेष रूप से सिर्फ गरीब एवं जरूरतमंद मरीजों के ही ऑपरेशन किये जायेंगे। जन्मजात शारीरिक विकारों (कटे होंठ, तालू) एवं किसी दुर्घटना के बाद छूटे निशानों एवं जलने के कारण आयी विकृति के ऑपरेशन होंगे। इस शिविर में वरिष्ठ शल्य चिकित्सक डॉ. प्रकाश छजलानी भी अपनी निःशुल्क सेवायें देंगे।

रॉबर्ट नर्सिंग होम के सेक्रेटरी एवं ट्रस्टी डॉ. वी. एस. यशलहा ने बताया कि इस शिविर हेतु अस्पताल के ऑपरेशन थियेटर एवं मरीजों हेतु रहने की व्यवस्था निःशुल्क प्रदान की जायेगी। साथ ही मरीजों हेतु अन्य सारी व्यवस्था भी उपलब्ध कराई जायेगी। इस शिविर में सिर्फ कटे होंठ, तालू एवं कुछ ऑपरेशन योग्य जले हुए मरीजों के आपरेशन किये जायेंगे। ऑपरेशन हेतु मरीजों का चयन डॉ. प्रकाश छजलानी द्वारा स्वयं दिनांक 12 अप्रैल 2024 को प्रातः 08ः00 बजे से 09ः30 बजे तक रॉबर्ट नर्सिंग होम पर किया जायेगा। डॉ. यशलहा ने बताया कि इस शिविर में ग्रीवा कैंसर की जाँच ड्ढद्ध क्र्र स्मीयर द्वारा निःशुल्क की जायेगी।

विज्ञापनों के सम्बन्ध में आयोग ने जारी किए दिशा- निर्देश

इंदौर। भारत निर्वाचन आयोग ने निर्वाचन अवधि के दौरान प्रकाशित होने वाले विज्ञापनों के लिए मार्गदर्शी सिद्धांतों को प्रभावशील कर लागू किया है। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी गाइडलाइन में आदर्श आचार संहिता को सर्वोपरि मान्य किया गया है। आयोग ने कहा है कि समाचार माध्यमों से प्रकाशित-प्रसारित करने के पूर्व विज्ञापनों के मामले में यह सुनिश्चित किया जाए की उनमें नैतिकता एवं शिष्टता हो तथा किसी की भी धार्मिक भावनाओं को आघात ना पहुंचे। आयोग ने स्पष्ट दिशा निर्देश जारी किए है कि ऐसा कोई विज्ञापन प्रकाशित नहीं किया जाए जो किसी भी जाति, धर्म, रंग, पंथ और राष्ट्रीयता का उपहास करता हो। ऐसा विज्ञापन जो संविधान के किसी भी उपबंध के विरूद्ध हो, प्रकाशित एवं प्रसारित नहीं होना चाहिए। इसी प्रकार अपराध करने, हिंसा करने या लोगों को भड़काने की प्रवृत्ति रखता हो, किसी भी प्रकार की अश्लीलता दर्शाता हो, राष्ट्रीय समप्रतीक का अनादर करता हो, नारी के लिए किसी भी प्रकार से अपमानजनक हो या उपहास करता हो, दहेज, बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराईयों से लाभ उठाता हो आदि से संबंधित विज्ञापन प्रकाशित एवं प्रसारित नहीं किए जाने चाहिए।

लिखें स्लोगन, जीतें आकर्षक नकद पुरस्कार

प्रत्येक वोट जरूरी विषय पर होगी राज्य स्तरीय स्लोगन प्रतियोगिता

इंदौर। मतदाताओं को जागरूक करने के लिए स्वीप (सिस्टमेटिक वोटर्स एज्यूकेशन एण्ड इलेक्टोरल पार्टिसिपेशन) के तहत राज्य स्तरीय स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित होने जा रही है। ÷प्रत्येक वोट जरूरी÷ विषय पर होने जा रही इस प्रतियोगिता के लिए 25 अप्रैल तक ऑनलाइन प्रविष्टियाँ द्वश्च.द्व4द्दश्1.द्ब्ठ्ठ पोर्टल पर भेजी जा सकती हैं। प्रतियोगिता के विजेताओं को आकर्षक नकद पुरस्कार दिए जायेंगे।

प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 51 हजार, द्वितीय 21 हजार व तृतीय पुरस्कार 11 हजार रूपए रखा गया है। इसके अलावा 10 प्रतिभागियों को 5100क्क5100 रूपए के विशेष पुरस्कार दिए जायेंगे। प्रतिभागी को मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना चाहिए। एक प्रतिभागी की एक ही प्रविष्टि मान्य होगी। स्लोगन की शब्द सीमा अधिकतम 25 से 30 होना चाहिए। प्रविष्टि मौलिक, अर्थपूर्ण व हिन्दी भाषा में होना चाहिए। प्रतिभागी प्रविष्टि के साथ अपना नाम, पता, मोबाइल फोन नम्बर एवं ईमेल आईडी जरूर लिखें।

आपकी शिकायत/समस्याओं में
आपका साथी
दैनिक सद्भावना पाती
शिकायत / पत्र संपादक के नाम
आप किसी समस्या, शिकायत, मुद्दे, जानकारी, गड़बड़ी, भ्रष्टाचार, नियम विरुद्ध काम आदि की शिकायत संपादक के नाम व्हाट्सएप पर भेज सकते हैं।
सर्वप्रथम आप अपने मोबाइल में सीएम हेल्पलाइन 181 एप डाउनलोड करें
और उस पर शिकायत उपरांत हमे उसका स्क्रीन शॉट और फोटो भेजें।
हम उस शिकायत को दैनिक सद्भावना पाती में प्रकाशित करेंगे और आपकी समस्या/शिकायत को शीघ्र खत्म करने का प्रयास करेंगे।
केवल व्हाट्स एप करें, कॉल न करें।
व्हाट्स ऐप न. 9685611304
ईमेल आईडी- reporter.spnews@gmail.com
नोट :- जनहित की समस्याओं पर उचित ईनाम भी दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

कृषि मंत्रालय का संकेतः चने के उत्पादन को लेकर कोई चिंता नहीं

किसानों से एमएसपी पर खरीद शुरू

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने कीमतों पर नियंत्रण रखने और अपनी कल्याणकारी योजनाओं के तहत वितरण करने की मंशा रखने वाले राज्यों की मांग को पूरा करने के लिहाज से बफर स्टॉक बनाने के लिएकिसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर चना खरीदना शुरू कर दिया है। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने मंगलवार को कहा, कृषि मंत्रालय ने

संकेत दिया है कि चने की पैदावार बरकरार है। फिलहाल, उत्पादन को लेकर कोई चिंता नहीं है। रबी विपणन सत्र 2024-25 के लिए चने का न्यूनतम समर्थन मूल्य 5,440 रुपये प्रति क्विंटल है।

बफर स्टॉक से अब 16 राज्य खरीद रहे चना- सचिव ने कहा, चने की फसल की आवक बढ़ने से मंडी की कीमतें नरम हो गई हैं और एमएसपी स्तर पर पहुंच गई हैं। हमने अभी खरीद अभियान शुरू किया है। उन्होंने कहा, अपनी कल्याणकारी योजनाओं के जरिये वितरण के लिए राज्यों से चने की मांग बढ़ने के साथ अब बफर स्टॉक पर दबाव है। पहले 3-4 राज्य ही कल्याणकारी योजनाओं के लिए बफर स्टॉक से चना लेते थे। अब, 16 राज्य सरकारें पोषण सुरक्षा के लिए बफर स्टॉक से चना खरीद रही हैं।कर्नाटक, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश जैसे चार और राज्यों ने चने के लिए अनुरोध किया है। 15 अप्रैल से स्टॉक की जानकारी दें व्यापारी केंद्र ने राज्यों को जमाखोरी रोकने का निर्देश दिया है।

भारत सबसे तेजी से बढ़ता बाजार, 2024-26 में 25 प्रतिशत राजस्व वृद्धि की उम्मीदः ब्रिजस्टोन

नईदिल्ली, एजेंसी। जापान की टायर विनिर्माण कंपनी ब्रिजस्टोन को भारत में 2024 से 2026 के बीच राजस्व में 25 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है। भारत कंपनी का वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से बढ़ने वाला बाजार है। ब्रिजस्टोन इंडिया के प्रबंध निदेशक हिरोशी योशिज़ेन ने कहा, ''आज हमारे कुल वैश्विक खंड में से (भारत में) व्यवसाय का आकार सीमित है। हालांकि, यह वैश्विक स्तर पर हमारा सबसे तेजी से बढ़ने वाला बाजार है। इसलिए भारत में

रणनीतिक तौर पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ब्रिजस्टोन पहले से ही भारत में यात्री वाहन टायर के 'आफ्टरमार्केट खंड में करीब 20 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ अग्रणी है और कंपनी का लक्ष्य अपनी स्थिति को और मजबूत करना है। ब्रिजस्टोन में भारत के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी राजर्षि मोइत्रा ने भारत में वृद्धि के बारे में पूछे जाने पर ब्रिजस्टोन इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी राजर्षि मोइत्रा ने कहा, ''पिछले साल (2023) हमारा राजस्व नौ प्रतिशत बढ़ा और 2024 से 2026 के बीच हमें अपना राजस्व कुल 25 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद

JNU India's highest ranked university, 69 in top 500: QS World University Rankings by Subject 2024

Sixty-nine Indian universities made it to the rankings with 424 entries in the 2024 QS World University Rankings by Subject. This marks a 19.4 per cent rise from the previous year's 355 entries.

Interestingly, 72 per cent of the Indian entries this year are either new to the list, have shown improvement, or have maintained their positions, whereas a mere 18 per cent experienced a decline. Overall, India has demonstrated a significant 17 per cent year-on-year improvement. The list is compiled by global higher education experts QS Quacquarelli Symonds.

The 12 Institutes of Eminence (IoE), which represent just a fraction of Indian universities, contribute 40 per cent of the country's total entries, amounting to 180. Furthermore, the IoE lead the way with 47 of the 69 top-100 Indian positions and 14 of the 21 positions across 55 academic disciplines and five faculty areas in the 14th edition of the rankings.

The most represented Indian universities in this edition of the rankings are the University of Delhi (30 entries), IIT Bombay (28 entries) and IIT Kharagpur (27 entries). IIT Madras this year had 22 entries, of which eight improved, six declined and four remained unchanged. IIT Delhi followed this at the fifth spot with 19 entries, of which 11 improved, three declined and three remained unchanged.

However, India's highest-ranked university is Jawaharlal Nehru University for Development Studies (20th globally, a new entry in this discipline). The next two highest ranked universities in these tables are IIM Ahmedabad, debuting in the 22nd position for Business and Management Studies, while Saveetha Institute of Medical and Technical Sciences (deemed to be university) secured the 24th spot globally in Dentistry and is the only Indian university to achieve a perfect score (100/100) in one of the QS indicators, namely the H Index, ranking number one in this metric, within the Dentistry table.

Jessica Turner, QS CEO, said: "One of the biggest challenges faced by India is educational – providing high-quality tertiary education in the face of exploding demand: this much was recognised by 2020's NEP (National Education Policy), which set the ambitious target of a 50% gross enrolment ratio by 2035. It should therefore provide some reassurance that the number of Indian programs featuring across our 55 subject rankings and five broad faculty areas has increased this year – from 355 to 454. QS also notes that several programs at India's three privately-run Institutes of Eminence have made progress this year, demonstrating the positive role that well-regulated private provision can have in enhancing India's higher education sector." Turner concluded: "While there is still a lot of work to be done to improve standards, access to higher education, universities' digital readiness and global competitiveness, it is clear that India is taking significant steps in the right direction."

AICTE: इंजीनियरिंग-मैनेजमेंट की परीक्षा क्षेत्रीय भाषाओं में दे सकेंगे छात्र, सभी तकनीकी कॉलेजों को लिखा पत्र

इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, फॉर्मेसी, आर्किटेक्चर जैसे पाठ्यक्रमों के छात्र शैक्षणिक सत्र 2023-24 की वार्षिक परीक्षा भारतीय भाषाओं में दे सकेंगे। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के सदस्य सचिव प्रो. राजीव कुमार के मुताबिक, स्नातक पाठ्यक्रम व डिप्लोमा छात्रों को क्षेत्रीय भाषाओं में प्रश्नपत्र हल करने की सुविधा मिलने जा रही है।

तकनीकी कॉलेजों को भारतीय भाषाओं में पढ़ाई के बाद क्षेत्रीय भाषाओं में ही प्रश्नपत्र हल करने की सुविधा का फैसला किया गया है। इसके लिए तकनीकी कॉलेजों को पत्र लिखकर क्षेत्रीय भाषाओं में प्रश्नपत्र तैयार करने का आग्रह किया गया है। इसमें कॉलेज एक स्थानीय भाषा चुन सकते हैं। इसके अलावा, एक अतिरिक्त भाषा में हिंदी, अंग्रेजी या अन्य हो सकती है। इसका ज्यादा फायदा दूरदराज, ग्रामीण इलाकों के छात्रों को होगा।

बेहतर समझ से दे सकेंगे जवाब

विशेषज्ञों के मुताबिक, कोई भी छात्र अपनी भाषा में बेहतर तरीके से जवाब दे सकता है। अपनी भाषा में प्रश्नपत्र होने से छात्र उसे बेहतर समझते हुए अच्छे से उत्तर लिख सकता है। इससे उसके परीक्षा मूल्यांकन में बेहतर सुधार दिखेगा।

बीच में नहीं छूटेगी पढ़ाई

अक्सर छात्र परीक्षा में फेल होने के डर से पढ़ाई बीच में छोड़ देते हैं, पर अब छात्रों को अपनी स्थानीय भाषा में प्रश्न पत्र मिलेगा तो वे अच्छी तरह उत्तर लिख सकेंगे।

Applications Invited From International Students For ICCR Scholarships

The High Commission of India in Accra has announced the Indian Council for Cultural Relations (ICCR) scholarships for international students pursuing undergraduate, postgraduate, and PhD programmes at selected Indian Universities for academic year 2024-25. These scholarships cover a wide range of courses, including engineering, science, agriculture, commerce and economics, arts, humanities, and social sciences, among others.

Interested candidates from Ghana can apply under the following schemes:

Dr APJ Abdul Kalam Commonwealth Scholarship Scheme (A1203), Lata Mangeshkar Dance and Music Scholarship Scheme (A1209), and The India-Africa Maitri Scholarship Scheme for Africa (G0179)

The scholarship covers full tuition fees, a monthly stipend or living allowance, house rent allowance, a one-time thesis and dissertation expense, and return economy class airfare to the nearest airport along with 3rd AC train fare to the place of study. Scholarship payments are disbursed through PFMS (Public Financial Management System).

Eligibility Criteria

Applicants must meet certain eligibility criteria including being a minimum of 18 years old as of April 30, 2023, and not older than 30 years for undergraduate or postgraduate courses, and 45 years for PhD courses.

They should also be meritorious students, proficient in English, medically fit, and holders of a passport valid for the entire duration of the course.

To apply, candidates should register and apply directly for specific courses on the ICCR A2A Scholarship Portal. It is advised that applicants thoroughly research courses offered, eligibility criteria, and general information about the university before applying for admission.

They should also ensure they meet the eligibility criteria and submit relevant documentation as required by the universities. The application process involves submitting/uploading the application along with true copies of relevant documents to the A2A portal.

Selection Process

Selection for scholarships is based on merit, and applicants not receiving a scholarship from the High Commission of India in Accra may consider self-financing their education.

Applicants can apply to up to five universities/institutes in order of preference, and for engineering courses, it is mandatory to have Physics, Chemistry, and Mathematics (PCM) in Grades 11 and 12. It is essential to upload mark sheets and transcripts in English, and incomplete applications may be rejected.

As English is the medium of instruction, applicants are required to submit a 500-word essay in English to assess their proficiency. Additionally, standardised test scores such as TOEFL/IELTS may be submitted if available. Interviews may also be conducted online by universities/institutes.

देश में चार साल में पहली बार घटी यूनिकॉर्न की संख्या

नईदिल्ली, एजेंसी। देश में यूनिकॉर्न कंपनियों की संख्या चार साल में पहली बार घटकर 67 रह गई है। इसके बावजूद भारत ने दुनियाभर ने यूनिकॉर्न का तीसरा सबसे बड़ा केंद्र होने का रुतबा कायम रखा है।

एक अरब डॉलर से अधिक मूल्यांकन वाली स्टार्टअप कंपनियों को यूनिकॉर्न कहा जाता है। हुरुन की मंगलवार को जारी वैश्विक यूनिकॉर्न सूचकांक-2024 के मुताबिक, ऑनलाइन फूड डिलीवरी मंच स्विगी और फैंटेसी गेमिंग फर्म ड्रीम11 भारत की सबसे मूल्यवान यूनिकॉर्न हैं। इनका मूल्यांकन आठ-आठ अरब डॉलर है। इनके बाद रेजरपे का स्थान आता है, जिसका मूल्यांकन 7.5 अरब डॉलर है। हालांकि, भारत की दो अग्रणी यूनिकॉर्न स्विगी और ड्रीम11 वैश्विक स्तर पर सूची में 83वें स्थान हैं। शीर्ष वैश्विक यूनिकॉर्न सूची में रेजरपे 94वें स्थान पर है। रिपोर्ट के मुताबिक, 703 यूनिकॉर्न के साथ अमेरिका दुनिया में सबसे आगे है। दूसरे स्थान पर काबिज चीन में 340 यूनिकॉर्न हैं। यूके 53 यूनिकॉर्न के साथ दुनिया में चौथे स्थान पर है।

बायजू श्रेणी से बाहर, मूल्यांकन में भारी गिरावट- शिक्षा प्रौद्योगिकी फर्म बायजू अब यूनिकॉर्न की श्रेणी से बाहर हो गई है। एक साल पहले उसका मूल्यांकन 22 अरब डॉलर से अधिक था, जो अब भारी गिरावट के साथ एक अरब डॉलर से भी कम हो चुका है। बायजू के मूल्यांकन में आई इस कमी ने उसे दुनिया के किसी भी स्टार्टअप के मुकाबले सबसे बड़ी गिरावट वाली फर्म बना दिया है। हुरुन रिपोर्ट के चेयरमैन एवं मुख्य शोधकर्ता रूपर्ट हुगेवर्फ ने कहा, कुछ स्टार्टअप वास्तव में नाकाम हो जाते हैं। इस दौरान वे बड़े पैमाने पर मीडिया का ध्यान भी आकर्षित करते हैं। हालांकि, ऐसी कंपनियां अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण हैं।

एआई क्षेत्र में भारत की प्रगति- भारत ने अपना पहला एआई यूनिकॉर्न करूटिम खड़ा किया है। एआई इनोवेशन में भारत

अब भी अमेरिका और चीन से काफी पीछे है। अमेरिका में 60 और चीन में 37 एआई यूनिकॉर्न कंपनियां हैं। हुरुन इंडिया के मुख्य शोधकर्ता अनस रहमान जुनैद ने कहा, यह स्थिति भारत के लिए महत्वपूर्ण है।

स्टार्टअप क्षेत्र में निवेश की कमी- जुनैद ने कहा, 1,453 यूनिकॉर्न की सूची में भारतीय कंपनियों की संख्या में कुल गिरावट शेयर सूचकांकों पर अच्छे लाभ के बावजूद स्टार्टअप क्षेत्र में निवेश की कमी को दर्शाता है। इसके अलावा, देश के बाहर कंपनी शुरू करने की प्रवृत्ति ने भी भारत के लिए संभावनाओं को नुकसान पहुंचाया है। भारत के फर्म संस्थापकों ने विदेश में 109 यूनिकॉर्न शुरू किए, जबकि देश के भीतर उनकी संख्या 67 है।

45 फीसदी बढ़ा मूल्यांकन- दुनिया के शीर्ष-10 यूनिकॉर्न में से आठ चीन और अमेरिका से हैं। ऑस्ट्रेलिया और माल्टा से एक-एक यूनिकॉर्न इस सूची में शामिल हैं। इन 10 यूनिकॉर्न का मूल्यांकन 198 अरब डॉलर है।

UPSC releases ESE Main 2024 schedule

The Union Public Service Commission (UPSC) has released the schedule for the Engineering Services Exam (ESE 2024 Main Exam), marking a crucial development for candidates who have passed the ESE prelims 2024 and are gearing up for the main exam. The comprehensive exam schedule is now available for viewing and can be downloaded from the official UPSC website, upsc.gov.in. According to the official notification, the ESE 2024 Main Exam will be held on June 23, with two shifts planned for the examination. The first shift is scheduled from 9:00 am to 12:00 pm, followed by the second shift from 2:30 pm to 5:30 pm.

In the morning session, Civil, Mechanical, Electrical, and Electronics & Telecommunication Engineering will have their Discipline Specific Paper (Paper-I), which is conventional, lasting for 3 hours and carrying 300 marks. In the afternoon session, the same engineering disciplines will have their Discipline Specific Paper (Paper-II), also conventional, lasting for 3 hours and carrying 300 marks.The Engineering Services Main Exam 2024 will be held at numerous exam centers across the nation to facilitate candidates. Among the major cities hosting the exam are Ahmedabad, Chandigarh, Dispur (Guwahati), Lucknow, Shillong, Aizawl, Chennai, Hyderabad, Mumbai, Shimla, Allahabad, Cuttack, Jaipur, Patna, Thiruvananthapuram, Bangalore, Dehradun, Jammu, Raipur, Vishakhapatnam, Bhopal, Delhi, Kolkata, and Ranchi.

ADMIT CARD

As per the official notification, UPSC ESE 2024 Main admit cards will be available for download from the UPSC website one week before the exam begins. The registration process for the ESE 2024 Main Exam took place from September 6 to 26 the previous year. Preliminary examination results were declared on March 28, 2024, following the examination held on February 18, 2024. Candidates are urged to stay informed about any further updates or alterations to the exam schedule by regularly visiting the official UPSC website.

IIT Madras NPTEL translates 207 technical courses into multiple vernacular languages

According to a press release by IIT Madras, with the help of a team of 1,029 Hindi translators and 139 quality controllers (QCs), IIT Madras translated technical courses including courses like 'Introduction to Internet of Things' into Hindi language. Furthermore, NPTEL has published 199 e-books in Hindi on its website, expanding access to educational resources in the language. Additionally, audio recordings totalling 1,200 hours of video content are available in Hindi, mentioned the press release.

"NPTEL-IIT Madras is adopting innovative ways to make the translated content available to learners in India. They include the use of subtitles, video Text tracks, Transcripts, Books with slides and Audio tracks, among others. The key objective is to build capacity in India in high quality translation of science/engineering content," said Prof Abhijit P Deshpande, an NPTEL Translation Coordinator and a faculty, Department of Chemical Engineering, IIT Madras. NPTEL has translated its courses into 11 languages, including Assamese, Bengali, Gujarati, Hindi, Kannada, Malayalam, Marathi, Odia, Punjabi, Tamil and Telugu. The objective is to help learners who completed their schooling in regional languages and are transitioning to English for technical education, informed IIT Madras.

"Every language is a world in itself. Without translation, I would be confined to the borders of my own world. NPTEL strives to break this barrier," says NPTEL Translation Coordinator Prof Rajesh Kumar, Department of Humanities and Social Sciences, IIT Madras.

Efforts are underway to expand the translation efforts, with courses like 'Introduction to Machine Learning' being

translated into Hindi using machine learning tools, accompanied by voiceovers for enhanced accessibility, mentioned the press release.

इन टिप्स को अपनाएं, नहीं भटकेगा पढ़ाई से मन

इसमें कोई दो राय नहीं कि पढ़ाई से मन आसानी से भटक जाता है और एकाग्रता की कमी बडी समस्या बन जाती है। एकाग्रता यानी आप अपने मन और दिमाग को बाकी चीजों से दूर कर एक समय में एक ही जगह लगाए। लेकिन यह बहुत मुश्किल काम है। आप अपने आसपास की चीजों से प्रभावित होते ही है। वहीं छात्रों को पढ़ाई पर ध्यान लगाना और ज्यादा कठिन हो जाता है। इससे तनाव भी बढ़ जाता है। एकाग्रता बढ़ाना बहुत आसान तो नहीं लेकिन अगर आप निश्चय कर लें तो यह संभव है। यहां हम ऐसे टिप्स बता रहे हैं जिससे आप एकाग्रता को बढ़ा सकते हैं और किसी भी तरह के तनाव से दूर रहे सकते हैं

- आप मन-मस्तिष्क के लिए आसपास का माहौल बहुत महत्वपूर्ण होता है। एकाग्रता बढ़ाने के लिए माहौल अच्छा होना जरूरी है जिससे आपका मन भटकने से बचता है। इसलिए यही कोशिश करें कि आप पढ़ाई के लिए आरामदायक और शांतिपूर्ण माहौल चुने।
- पहली बार तो यह है कि अगर आप पढ़ाई करने बैठे हैं तो आपको मालूम होना चाहिए कि आप क्या पढ़ाना चाह रहे हैं। इसके लिए पहले से ही अपनी पढ़ाई का खाका तय कर लें। इससे आपके मन में और कोई विचार नहीं आएगा और आपका मन पढ़ाई में लगेगा।
- एकाग्रता में सबसे ज्यादा दखल विचारों की होती है। मन के भटकने का एक कारण विचारों की अधिकता भी है। इसलिए जब पढ़ाई करने समय आपको लगे कि आपके दिमाग में दूसरी चीजें आ रही हैं तो इस बात को लेकर सजग हो जाएं कि आपको अपना ध्यान नहीं भटकाना है। एक बार आप इस बात को लेकर कांशस हो जाएंगे तो एकाग्र होने में मदद मिलेगी।
- अगर आप पढ़ाई के लिए एकाग्र मन चाहते हैं तो जरूरी है कि आपकी स्टडी प्लॉन्ड हो। अगर आप योजना के साथ पढ़ाई करने बैठेंगे तो आसानी होगी। इससे आपकी पढ़ाई और समय के बीच एक अच्छा संतुलन बन जाता है और आप अपनी पढ़ाई पर ज्यादा गंभीरता से ध्यान दे पाते हैं।
- मन तब ज्यादा भटकता है जब आप एक जगह नहीं बैठते। इसलिए एकाग्र मन के लिए आपको बैठने की एक जगह सुनिश्चित कर लेनी चाहिए। यह दृढ़ हो जाए कि आप अपनी पढ़ाई पूरी किए बिना सीट से नहीं उठेंगे।
- बहुत जरूरी है कि आप जहां भी बैठे हो वहां साफ-सफाई होनी चाहिए। अगर वहां बिखराव होगा तो आपका मन भी भटकेगा और ध्यान नहीं लगा पाएंगे।
- एक बहुत जरूरी टिप यही है कि आपको पहले तो शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए। अच्छा व्यायाम और पौष्टिक आहार न केवल आपकी एकाग्रता को बढ़ाता है बल्कि आपके शरीर को भी स्वस्थ रखता है। इससे शरीर से आलस और थकान दूर होती है।

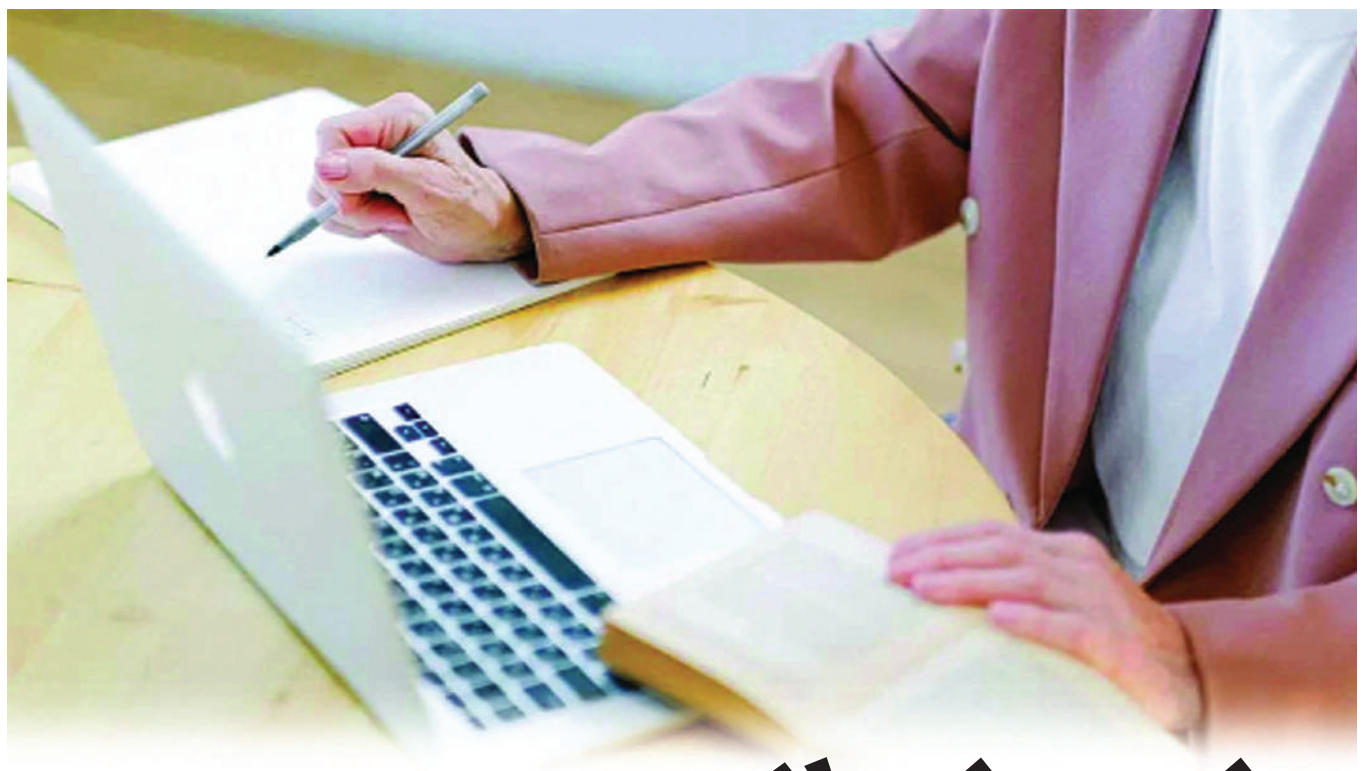

अंडरराइटर कैसे बनें

अंडरराइटर अपने अनुभव के आधार पर यह निर्णय लेता है कि अनुबंध जोखिम भरा होगा या यह लेने लायक होगा या नहीं। उदाहरण के लिए एक हामीदार जो स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के साथ काम करता है, आवेदकों के स्वास्थ्य जोखिमों का विश्लेषण करता है।

वित्तीय उद्योग विभिन्न पेशेवरों से भरा हुआ है जो कई अलग-अलग क्षमताओं में सेवा करते हैं। बैंक टेलर, बीमा एजेंट, वित्तीय सलाहकार, पोर्टफोलियो मैनेजर कुछ ऐसे पद हैं जो इस उद्योग को बनाते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि कौन से पेशेवर क्रेडिट और उधार देने के फैसले के पीछे जोखिम का आकलन करते हैं? इन व्यक्तियों को हामीदार या अंडरराइटर कहा जाता है। अंडरराइटर्स मूल्यांकन करते हैं और मूल्यांकन करते हैं कि वित्तीय जोखिम लेने लायक है या नहीं। आप वित्तीय उद्योग के विभिन्न हिस्सों में अंडरराइटर्स पा सकते हैं, जिसमें उधार, बीमा, इक्विटी बाजार और यहां तक कि सुरक्षा व्यापार भी शामिल है। जब भी आप व्यक्तिगत ऋण, स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी, या बंधक के लिए आवेदन करते हैं तो कुछ कंपनियां अपने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश लॉन्च करती हैं, जबकि अन्य आपके आवेदन की समीक्षा करती हैं। यदि आपको यह एक रोमांचक करियर पथ की तरह लगता है, तो आप शैक्षिक आवश्यकताओं और पेशेवर योग्यताओं के बारे में सोच सकते हैं जिनकी आपको आवश्यकता होगी।

अंडरराइटर की भूमिका क्या होती है?

अंडरराइटर अपने अनुभव के आधार पर यह निर्णय लेता है कि अनुबंध जोखिम भरा होगा या यह लेने लायक होगा या नहीं। उदाहरण के लिए एक हामीदार जो स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के साथ काम करता है, आवेदकों के स्वास्थ्य जोखिमों का विश्लेषण करता है। एक अंडरराइटर के काम में उम्र, वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति और चिकित्सा और पारिवारिक इतिहास सहित आवेदक के विवरण की जांच करना शामिल होता है। इस जानकारी का उपयोग करते हुए और अन्य औपचारिकताओं के बाद वह अंडरराइटिंग सॉफ़्टवेयर में जानकारी दर्ज करता है। सॉफ्टवेयर प्रीमियम की राशि और बीमा प्रदाता कंपनी को पॉलिसी पर लागू होने वाली शर्तों का निर्धारण करता है। एक स्वास्थ्य बीमा कंपनी का हामीदार चिकित्सा जानकारी की समीक्षा करता है, जबकि एक ऋण हामीदार ग्राहक के क्रेडिट इतिहास जैसे कारकों का आकलन करता है। अंडरराइटर का काम जटिल होता है। बीमा हामीदार व्यक्तियों को जोखिम के स्वीकार्य स्तर को निर्धारित करने में सक्षम होना चाहिए । जटिल परिस्थितियों की जांच करते समय एक हामीदार को शोध करने और बहुत सारी जानकारी प्राप्त करने की आवश्यकता हो सकती है। एक हामीदार ऋण और इक्विटी बाजार, गिरवी और बीमा जैसे क्षेत्रों में किसी अन्य पार्टी के जोखिम का आकलन करता है।

अंडरराइटर बनने के लिए आवश्यकताएँ

यदि आप एक हामीदार बनना चाहते हैं तो कुछ चीजें हैं जिन्हें आपको ध्यान में रखना होगा। आवश्यकताएं अक्सर उप-क्षेत्र और उस क्षेत्राधिकार के आधार पर भिन्न होती हैं जिसमें आप काम करते हैं। अंडरराइटर बनने के लिए आपको स्नातक की डिग्री की आवश्यकता हो सकती है जिसमें अर्थशास्त्र, व्यवसाय, लेखा, वित्त, या गणित में शोध शामिल होता है। अंडरराइटिंग के लिए विश्लेषणात्मक, कंप्यूटर, संचार और गणित कौशल सहित विशेष कौशल की एक श्रृंखला की आवश्यकता होती है। नए कर्मचारियों को वरिष्ठ हामीदारों से ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण मिलता है और उन्हें अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए प्रमुख प्रमाणन कार्यक्रमों को पूरा करना होगा। आप एंट्री-लेवल की नौकरी से लेकर वरिष्ठ पद तक, उच्च वेतन के साथ पाँच से 10 वर्षों के भीतर अपना काम कर सकते हैं।

शिक्षा

एक हामीदार बनने के लिए आपको आमतौर पर स्नातक की डिग्री की आवश्यकता होती है। गणित, बिज़नेस, अर्थशास्त्र और वित्त के पाठ्यक्रम इस क्षेत्र में फायदेमंद होते हैं क्योंकि वे निश्चित रूप से आपके द्वारा किए जा रहे किसी भी काम में उपयोगी हो सकते हैं। एक अच्छा हामीदार भी विस्तार-उन्मुख होता है और उसके पास गणित, संचार, समस्या-समाधान और निर्णय लेने में उत्कृष्ट कौशल होता है। एक बार काम पर रखने के बाद आप आमतौर पर वरिष्ठ हामीदारों की देखरेख में काम पर प्रशिक्षण लेते हैं। एक प्रशिक्षु के रूप में आप सामान्य जोखिम कारकों और हामीदारी में उपयोग किए जाने वाले बुनियादी अनुप्रयोगों के बारे में सीखते हैं। जैसे-जैसे आप अधिक अनुभवी होते जाते हैं आप स्वतंत्र रूप से काम करना शुरू कर सकते हैं और अधिक जिम्मेदारी ले सकते हैं।

कौशल

शिक्षा ही एकमात्र ऐसी चीज नहीं है जो आपको इस क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद कर सकती है। विशेष कौशल का एक सेट भी है जो आपको अपना करियर बनाने में और आगे बढ़ने में आपकी मदद कर सकता है। यहां कुछ प्रमुख कौशल दिए गए हैं जिनकी आपको आवश्यकता होगी -

- विश्लेषणात्मक कौशल
- संचार कौशल
- कंप्यूटर कौशल
- गणित कौशल

अंडरराइटिंग में कॅरियर शुरू करने का सबसे आसान तरीका अच्छी शिक्षा प्राप्त करना है। गणित, लेखा, अर्थशास्त्र और किसी भी अन्य संबंधित क्षेत्र में स्नातक की डिग्री मदद करती है। सुनिश्चित करें कि आपके पास विश्लेषणात्मक और संचार कौशल सहित सही कौशल हैं और प्रमाणित हों। एक बार जब आपके पास वह सब कुछ हो जाए तो प्रवेश स्तर की नौकरियों की तलाश करें जो आपको वह प्रशिक्षण प्रदान कर सकें जो आपको अपने कॅरियर में आगे बढ़ने के लिए चाहिए।

इस कारण युवाओं की पसंद हैं एसएससी जॉब्स

अगर आप सरकारी नौकरी की तलाश में हैं, तो कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली जॉब्स के बारे में जानते ही होंगे। इन जॉब्स की कुछ खासियतें इन्हें बेहद आकर्षक बनाती हैं। जानते हैं इन्हीं खासियतों के बारे में।

केंद्र सरकार की नौकरी

परंपरागत रूप से भारत में सरकारी नौकरी को प्रतिष्ठा के साथ जोड़कर देखा जाता रहा है। एसएससी जॉब्स सरकारी नौकरियों में काफी ऊंचा दर्जा रखती हैं, सो इनके साथ भी यह प्रतिष्ठा जुड़ी हुई है। अधिकांश एसएससी जॉब्स उच्च पे-बैंड के तहत आती हैं और इनमें अच्छी-खासी सैलरी मिलती है। इसके अलावा, टैक्स ऑडिटर्स, इंस्पेक्टर्स, असिस्टेंट्स आदि को कई अन्य सुविधाएं भी मिलती हैं, जैसे मुफ्त स्वास्थ्य बीमा, दिल्ली व अन्य प्रमुख नगरों में आवास, अनेक प्रकार के भत्ते आदि।

जॉब सिक्योरिटी

किसी भी फील्ड में लोगों को आकर्षित करने का एक बड़ा कारक होता है जॉब सिक्योरिटी। यूं तो सभी सरकारी नौकरियों में जॉब सिक्योरिटी होती है मगर उच्च श्रेणी का अफसर होने के नाते यह सुरक्षा और भी बढ़ जाती है। प्राइवेट सेक्टर में उच्च पदों पर कार्यरत अफसरों को भी विपरीत परिस्थितियों में पिंक स्लिप थमाए जाने का खतरा रहता है मगर सरकारी क्षेत्र में ऐसा कभी नहीं होता। यह सुरक्षा युवाओं को प्रतिष्ठापूर्ण एसएससी जॉब्स की तरफ आकर्षित करती है।

प्रमोशन पॉलिसी

एसएससी जॉब्स में प्रमोशन के बेहतरीन अवसर होते हैं और ये भी इन जॉब्स का आकर्षण बढ़ा देते हैं। अधिकांश पदों पर नियुक्ति के बाद पहले या दूसरे ही प्रमोशन के पश्चात आप राजपत्रित अधिकारी (गजेटेड ऑफिसर) बन सकते हैं। हमारे समाज में राजपत्रित अधिकारी के पद के साथ कितना सम्मान और प्रतिष्ठा जुड़ी है, यह तो सब जानते ही हैं।

कई तरह के पद

अनेक युवा यह सोचकर एसएससी जॉब्स से दूर भागते हैं कि यहां तो निम्न श्रेणी के ही पद उपलब्ध होते हैं। उनकी यह सोच गलत है। एसएससी सीजीएल परीक्षा के माध्यम से इनकम टैक्स इंस्पेक्टर, एन्फोर्समेंट ऑफिसर, मिनिस्टीरियल असिस्टेंट आदि जैसे उच्च श्रेणी के पदों पर भी नियुक्तियां की जाती हैं। कुल मिलाकर यहां कई तरह के पदों पर काम किया जा सकता है, जिनमें अच्छे-खासे प्रशासनिक अधिकार भी होते हैं और समाज में सम्मान भी।

सिविल सर्विसेस एग्जाम देने से पहले इन बातों को जान लें

यूपीएससी सिविल सर्विसेज एग्जाम एक ऐसी परीक्षा है, जिसके माध्यम से आईएएस और आईपीएस अधिकारी चुने जाते हैं। लगभग हर विद्यार्थी के मन में यह विचार जरूर आता है कि वह आईएएस अफसर बने। बहुत-से लोग इसकी तैयारी भी करते हैं, लेकिन चुने जाते हैं कुछ ही।

क्या आईएएस आपका पैशन है?

दुनिया के किसी भी काम को करने के लिए परिश्रम की जरूरत होती है, लेकिन इससे भी पहले एक और चीज की जरूरत पड़ती है और वह है आपका पैशन, आपका जुनून। इसीलिए एक बात का बहुत खयाल रखना होगा कि यदि आपमें वह जज्बा नहीं है, यदि आप किसी के कहने मात्र से इस परीक्षा की तैयारी करने जा रहे हैं, तो आप इस परीक्षा के लायक नहीं हैं। कारण यह कि आईएएस परीक्षा की तैयारी बिना पैशन के हो ही नहीं सकती। बेहतर होगा कि आप कोई और फील्ड चुन लें क्योंकि समय बहुत कीमती है और इसे किसी ऐसी जगह नहीं लगाना चाहिए, जहां आपका पैशन न हो।

क्या आप फोकस्ड हैं?

कोई भी कार्य एकाग्रता की मांग करता है। यदि आपमें फोकस्ड होने की क्षमता नहीं है या आपका मन भटकता है, तो आपके लिए इस परीक्षा का चुनाव गलत साबित हो सकता है। अक्सर लोग ऑप्शन लेकर चलते हैं कि अगर आईएएस नहीं तो कोई और एग्जाम सही। इस प्रकार दो नावों पर पैर रखने से अक्सर लोग गिर जाते हैं। इसलिए अच्छा यही होगा कि आप या तो पूरी तरह फोकस्ड होकर यह परीक्षा दें या फिर अपना टारगेट बदल दें।

क्या परिस्थितियां पढ़ाई के अनुकूल हैं?

कहते हैं, पढ़ने वाला कहीं भी पढ़ लेता है, फिर चाहे कितना भी शोर हो या कोई समस्या हो। यह बात सच है। लेकिन अगर टारगेट आईएएस हो, तो आपको समस्या हो सकती है। कारण यह कि इसकी तैयारी के लिए आपको शांत माहौल मिलना चाहिए, जिससे आपका मन न भटके। साथ ही, आपकी परिस्थितियां ऐसी होनी चाहिए जो आपको तैयारी करने के लिए अनुकूल माहौल उपलब्ध कराए।

क्या आप न्यूनतम योग्यता रखते हैं?

आईएएस की परीक्षा के लिए आपके पास न्यूनतम योग्यता होनी ही चाहिए। यानी आपको ग्रेजुएट तो होना ही चाहिए, साथ ही आपमें आईएएस के प्रति समर्पण भी होना चाहिए। यहां न्यूनतम योग्यता से मतलब केवल ग्रेजुएट होना ही नहीं है, बल्कि इसके अलावा भविष्य के एक आईएएस अफसर से जो उम्मीद की जाती है, वह योग्यता भी आपमें होनी चाहिए।

क्या आपको डीप स्टडी में रुचि है?

अगर आप बहुत ज्यादा गहराई से पढ़ाई नहीं कर सकते, तो मान लें कि यह परीक्षा आपके लिए नहीं है। सिविल सर्विसेज एग्जाम में आप कुछ चुनिंदा विषयों और ऊपरी स्तर पर पढ़कर पास हो ही नहीं सकते। आपमें ज्ञान की भूख होनी चाहिए। आप हर विषय को उसकी गहराई में जाकर समझें। ऐसा करने की आपमें इच्छा होनी चाहिए।

क्या आप त्वरित व सही निर्णय लेते हैं?

एक आईएएस ऑफिसर को जिन परिस्थितियों में काम करना होता है, उनमें कई बार त्वरित मगर सही निर्णय लेने होते हैं। यह एक जरूरी गुण है, जो हर आईएएस अधिकारी में होना ही चाहिए। इसलिए पेपर हल करते समय भी सही निर्णय का टेस्ट लिया जाता है। कई सवाल ऐसे होते हैं, जो आपकी इसी क्षमता को परखते हैं। इसीलिए डिसीजन मेकर बनें और जीवन के हर पहलू पर चर्चा करें। लोगों की समस्याएं सुनें और फिर अपनी राय देने की आदत डालें।

क्या आपकी पब्लिक सर्विस में रुचि है?

अगर आप सिर्फ पावर, पैसे या पोस्ट के लिए यह परीक्षा देने जा रहें हैं, तो आपको इस बारे में एक बार फिर सोचना चाहिए। आपमें जनता की सेवा का जज्बा होना चाहिए। एक आईएएस अधिकारी से जनता मदद की उम्मीद करती है और उसकी नियुक्ति भी इसलिए की जाती है, ताकि वह जनता की मदद कर सके। उसे जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करा सके और जरूरत पड़ने पर उसकी बात भी सुने, उसकी परेशानी को समझे।

क्या आपमें धैर्य है?

धैर्य न होना छोटी-सी बात लगती है लेकिन यह बहुत बड़ी बात है। हमारी निजी जिंदगी में तो अक्सर हम धैर्य टूट जाने पर एक-दूसरे को लड़ते-झगड़ते देखते हैं। जहां परीक्षा की तैयारी के लिए धैर्य की जरूरत होती है, वहीं भविष्य के आईएएस अधिकारी से यह अपेक्षा भी की जाती है कि वह विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य न खोए और धैर्य के साथ ही काम करे और निर्णय ले, ताकि उसके सही होने की संभावना भी ज्यादा हो।

मैच के दौरान रोनाल्डो ने खोया आपा

विरोधी खिलाड़ी को मारी कोहनी, रेफरी को दिखाया पंच

नई दिल्ली, एजेंसी। रोनाल्डो की टीम अल नासर की स्थिति अल हिलाल के खिलाफ अच्छी नहीं थी। टीम को इस मुकाबले में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। अल नासर के लिए सादियो माने ने एकमात्र गोल किया।

दुनिया के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो एक बड़ी मुसीबत में फंसते नजर आ रहे हैं। रोनाल्डो सऊदी सुपर कप के मुकाबले में अल हिलाल के खिलाफ अपनी टीम अल नासर की हार के दौरान अपना आपा खो बैठे। उन्होंने ना सिर्फ विरोधी टीम के खिलाड़ी को कोहनी मारी, बल्कि मैच रेफरी को पंच मारने की कोशिश भी की। उनकी इस हरकत के कारण उन पर प्रतिबंध भी लग सकता है।

रोनाल्डो को मिला रेड कार्ड

रोनाल्डो की टीम अल नासर की स्थिति अल हिलाल के खिलाफ अच्छी नहीं थी। टीम को इस मुकाबले में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा।

अल नासर के लिए सादियो माने ने एकमात्र गोल किया। रोनाल्डो इससे काफी निराश थे और मैच के दौरान उन्होंने गुस्से में विरोधी खिलाड़ी को कोहनी मार दी।

उनकी इस हरकत के लिए मैच रेफरी ने तुरंत रोनाल्डो को रेड कार्ड दिखाया। यह पहली बार था जब रोनाल्डो को सऊदी अरब में रेड कार्ड मिला। रोनाल्डो खुद को रेड कार्ड मिलने से नाराज हुए और उन्हें मैच रेफरी को पंच मारने की कोशिश, लेकिन हाथ पीछे खींच लिया।

नीतीश कुमार रेड्डी के हरफ़नमौला प्रदर्शन के कायल हुए पैट कमिंस

मुल्लांपुर (मोहाली) एजेंसी। मंगलवार शाम पंजाब किंग्स के ख़िलाफ़ आईपीएल मैच में सनराइज़र्स हैदराबाद के ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी ने 37 गेंदों में 64 रन की पारी खेली और अपनी टीम को 64/4 के स्कोर से 182/9 के स्कोर तक पहुंचाया। बाद में उन्होंने जितेश शर्मा का महत्वपूर्ण विकेट भी प्राप्त किया। नीतीश का यह ऑलराउंड प्रदर्शन ही मैच का मुख्य अंतर साबित हुआ। मैच के बाद नीतीश के कप्तान पैट कमिंस ने नीतीश के प्रदर्शन की खूब सराहना की। कमिंस ने मैच के बाद कहा, उन्होंने बेहतरीन ऑलराउंड प्रदर्शन किया। शीर्ष क्रम में बल्लेबाज़ी, अच्छी फ़ील्डिंग और तीन ओवर गेंदबाज़ी, उनके कारण ही हम 180 के स्कोर के ऊपर पहुंचने में सफल रहें। नीतीश की इस पारी में चार चौके और पांच छक्के आए। मैच के बाद उन्होंने कहा, मेरा प्रदर्शन टीम में योगदान के लिए था। मैं लगातार खुद से बात किए जा रहा था कि मुझे खुद पर भरोसा रखना है और टीम के लिए वहां खड़ा रहना है। उनके तेज़ गेंदबाज़ अच्छी गेंदबाज़ी कर रहे थे, तो मैं उन पर कोई मौक़ा नहीं लेना चाह रहा था। लेकिन जब उनके स्पिनर्स आएं तो मैंने उन पर आक्रमण किया पंजाब के कप्तान शिखर धवन ने इस हार का ठीकरा शीर्षक्रम की बल्लेबाज़ी पर फोड़ा। एक समय पंजाब का स्कोर पांच ओवर में 20 रन पर तीन विकेट था और जॉनी बेयरस्टो, धवन और प्रभसिमरन सिंह जैसे बल्लेबाज़ पवेलियन थे। बाद में पिछले मैच के हीरो शशांक सिंह और आशुतोष शर्मा ने सातवें विकेट के लिए 27 गेंदों में 66 रनों की साझेदारी की और अपनी टीम को लक्ष्य के क़रीब ले गए। हालांकि उनका ये प्रयास नाकाफ़ी था और पंजाब की टीम को दो रनों से हार मिली। धवन ने कहा, शशांक और आशुतोष ने बेहतरीन पारियां खेलीं।

मुझे लगता है कि हमने उनको एक अच्छे स्कोर पर रोका था। हालांकि हमने अच्छी बल्लेबाज़ी नहीं की और मैच हार गए। हम उनको 10-15 रन और कम पर रोक सकते थे। यह भी मैच का एक अंतर साबित हुआ। हालांकि शशांक और आशुतोष के प्रदर्शन से हमें अगले मैच के लिए आत्मविश्वास मिला है। हमें कुछ क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन कर सुधार करना होगा।

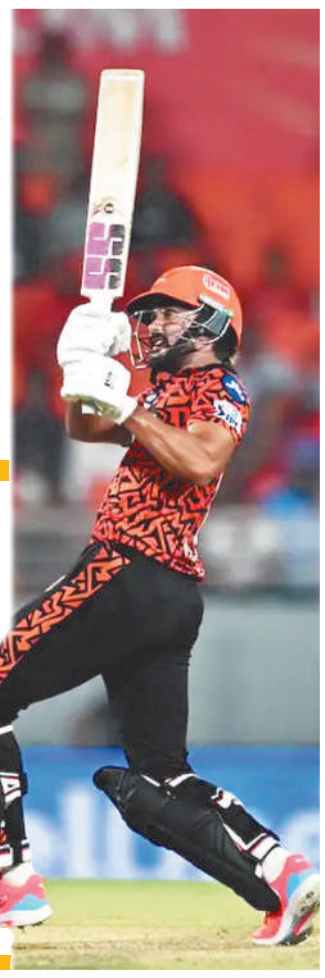

अर्शदीप सिंह ने टी20 क्रिकेट में पूरे किए 150 विकेट

मोहाली, एजेंसी। आईपीएल 2024 के 23वें मुकाबले में पंजाब किंग्स टीम का सामना सनराइजर्स हैदराबाद से हुआ। इस मैच को सनराइजर्स हैदराबाद ने काफी रोमांचक तरीके से 2 रनों से अपने नाम करने के साथ इस सीजन की तीसरी जीत दर्ज की। वहीं इस मैच में पंजाब किंग्स के कुछ खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से जरूर सभी को प्रभावित किया जिसमें एक नाम बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह का है, जिन्होंने मैच में अपने 4 ओवरों की गेंदबाजी में 29 रन देने के साथ 4 विकेट हासिल किए। अर्शदीप सिंह ने इसी के साथ टी20 क्रिकेट में अपने 150 विकेट भी पूरे कर लिए। अर्शदीप सिंह के लिए सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच से अब तक ये सीजन कुछ खास अच्छा नहीं रहा था, ऐसे में उनपर बेहतर प्रदर्शन करने का भी दबाव था। इस मुकाबले में अर्शदीप सिंह ने नई गेंद से कमाल दिखाते हुए सनराइजर्स हैदराबाद की टीम को 2 बड़े झटके दिए जिसमें उन्होंने ट्रेविस हेड और एडम मारक्रम को को अपना शिकार बनाया। इसके बाद उन्होंने अब्दुल समद और नितीश रेड्डी को भी अपना शिकार बनाया। अर्शदीप ने इसी के साथ टी20 क्रिकेट में अपने 150 विकेट का आंकड़ा भी पार कर लिया। अब वह भारत की तरफ से इस फॉर्मेट में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज के रूप में ये कारनामा करने वाले चौथे खिलाड़ी बन गए हैं।

कैंडिडेट्स शतरंज

गुकेश और प्रगनानंदा का अब तक का सफर रहा शानदार, आनंद भी दोनों के प्रदर्शन से हुए प्रभावित

टोरंटो, एजेंसी। प्रगनानंदा के साथ टूर्नामेंट में उनकी मां नागलक्ष्मी भी आई हुई हैं। प्रगनानंदा कहते हैं कि आपके साथ कमरे में किसी का होना महत्वपूर्ण है। यह उस वक्त और महत्वपूर्ण हो जाता है जब आप हारते हैं। मैं उनके सहयोग के लिए उनका आभारी हूं।

भारतीय दिग्गज विश्वनाथन आनंद का मानना है कि कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के पहले विश्राम दिवस तक भारतीय खिलाड़ी डी गुकेश और आर प्रगनानंदा ने शुरुआती तूफान का सामना आश्चर्यजनक रूप से बेहतर ढंग से किया है। टूर्नामेंट से पहले भारतीय खिलाड़ी दावेदार नहीं माने जा रहे थे, लेकिन गुकेश (2.5) और प्रगनानंदा (2) ने अब तक टूर्नामेंट में अपनी पकड़ बनाए रखी है। हालांकि, नाकामुरा को हराकर दावेदार बने विदित गुजराती (1.5) के बारे में ऐसा नहीं है। वह लगातार दो हार के बाद पिछड़ गए हैं।

प्रगनानंदा के साथ मौजूद हैं उनकी मां

पिछले दो बार के कैंडिडेट्स विजेता फिडे के झंडे तले खेल रहे रूस के नेपोमिनयाच्ची चार दौर के बाद तीन अंक लेकर बढ़त पर हैं। अभी 10 दौर और बाकी हैं। नेपोमनियाच्ची अगर तीसरी बार जीतते हैं तो लगातार तीन खिताब जीतने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी होंगे। प्रगनानंदा के साथ टूर्नामेंट में उनकी मां नागलक्ष्मी भी आई हुई हैं। प्रगनानंदा कहते हैं कि आपके साथ कमरे में किसी का होना महत्वपूर्ण है। यह उस वक्त और महत्वपूर्ण हो जाता है जब आप हारते हैं।

हंपी दौड़ से बाहर नहीं

देश के दूसरे ग्रैंड मास्टर दिब्येंदु बरुआ ने कहा- मैं कोनेरू हंपी को चौथे दौर में हार के बावजूद दौड़ से बाहर नहीं मानता हूं। उनके पास जीतने की काबलियत और इच्छाशक्ति दोनों हैं। विदित भी वापसी करने में सक्षम हैं और गुकेश स्कोर कर सकते हैं।

देश के तीसरे ग्रैंड मास्टर प्रवीण थिप्से ने कहा- नाकामुरा अपने आपको प्रेरित नहीं कर पा रहे हैं, जिसके चलते भारतीय तिकड़ी और नेपोमनियाच्ची, कारुआना के पास मौका है।

ऋषभ पंत को मिल सकती है स्क्वाड में जगह

नईदिल्ली, एजेंसी। टी-20 वर्ल्ड कपः वर्ल्ड कप 2024 को लेकर जल्द ही बीसीसीआई अपनी टीम का ऐलान करेगी. संभावना जताई जा रही है कि भारतीय टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को टी20 वर्ल्ड कप 2024 टीम में शामिल किया जा सकता है.भारत में सभी के ऊपर अभी आईपीएल का बुखार चढ़ा हुआ है.

चौक-चौराहा, गली- मोहल्ला में खेड़े सभी क्रिकेट प्रेमी अपनी टीम और अपने पसंदीदा खिलाड़ी का समर्थन करते हुए नजर आ रहे हैं. बता दें, आईपीएल 2024 सीजन के समाप्त होने के बाद एक और महासंग्राम देखने को मिलेगा. आपकी जानकारी के लिए बता दें, आईपीएल के बाद टी20 वर्ल्ड कप 2024 शुरू होने वाला है. जिसे लेकर अभी से तैयारी शुरू हो गई है. टी20 वर्ल्ड कप 2024 को लेकर जल्द ही

बीसीसीआई अपनी टीम का ऐलान करेगी. संभावना जताई जा रही है कि भारतीय टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को टी20 वर्ल्ड कप 2024 टीम में शामिल किया जा सकता है. बता दें कि 30 दिसंबर 2022 की रात को ऋषभ पंत कार एक्सीडेंट का शिकार हुए थे.

इसके बाद वो लंबे समय तक क्रिकेट से दूर रहे. मगर अब उन्होंने आईपीएल से वापसी की और विपक्षी टीम पर जमकर बरस भी रहे हैं.

आईपीएल 2024 के बीच में सूत्रों के हवाले से ये खबर निकल के सामने आ रही है कि टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए ऋषभ पंत को भी भारतीय टीम का हिस्सा बनाया जा सकता है. चोट से उभरने के बाद अच्छे लय में आ रहे हैं. उन्होंने दिल्ली के तरफ से खेलते हुए आईपीएल 2024 सीजन में दो अर्धशतक भी जड़ा है. इसके अलावा बीसीसीआई भारत के और भी कई युवा बल्लेबाजों पर अपनी पैनी नजर रखी हुई है.

सूत्रों के हवाले से खबर निकल के सामने आ रही है कि अप्रैल माह के आखिरी या फिर मई के पहले सप्ताह में बीसीसीआई के सेलेक्टर्स की अहम बैठक हो सकती है. जिसमें ये फैसला लिया जाएगा की किन-किन खिलाड़ियों को टीम का हिस्सा बनाया जाएी

टेनिसः फेडरर को पीछे छोड़ जोकोविच दुनिया के सबसे उम्रदराज नंबर-एक बने, युगल में बोपन्ना के नाम है कीर्तिमान

मोंटे कार्लो (फ्रांस), एजेंसी। जोकोविच कहते हैं कि वह आशा करते हैं कि जल्द ही हम दोनों भारत में कुछ करेंगे। हम वहां खेलेंगे। वह लंबे समय से भारत नहीं गए हैं। यह काफी बड़ा और शानदार देश है।

नोवाक जोकोविच ने एक और असाधारण उपलब्धि हासिल कर ली है। उन्होंने रोजर फेडरर को पीछे छोड़कर दुनिया के सबसे उम्रदराज विश्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल कर लिया है। 36 वर्षीय जोकोविच अगले माह 37 वर्ष के होने वाले हैं और उन्होंने जून, 2018 में सबसे ज्यादा उम्र में नंबर एक बनने वाले फेडरर को पीछे छोड़ दिया है। यही नहीं मोंटे कार्लो में इस वक्त दो खिलाड़ियों को सबसे ज्यादा चर्चा है और ये जोकोविच, रोहन बोपन्ना हैं। टेनिस के पुरुष एकल और युगल में वर्तमान में नंबर एक पदवी सबसे उम्रदराज खिलाड़ियों के नाम पर है। जोकोविच एकल में तो 44 वर्षीय बोपन्ना युगल में नंबर एक हैं। इस सोमवार को जोकोविच नंबर

एक की पदवी पर 420वें सप्ताह में पहुंच गए। यह भी एक रिकॉर्ड है, जिसे वह पहले तोड़ चुके हैं।

फेडरर 310 सप्ताह तक नंबर एक रहे थे। जोकोविच ओपन दौर में सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम जीतने वाले खिलाड़ी हैं। फेडरर ने पीट सेंप्रास के 14 ग्रैंड स्लैम का रिकॉर्ड तोड़ा था। राफेल नडाल ने फेडरर के 20 ग्रैंड स्लैम का रिकॉर्ड तोड़ा और जोकोविच ने नडाल के 22 ग्रैंड स्लैम के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा है। जोकोविच मोंटे कार्लो में अपने नियमित कोच रहे गोरान इवानिसेविच के बिना पहली बार टेनिस कोर्ट पर उतरेंगे।

महिलाओं में पोलैंड की इगा स्वियातेक नंबर एक की पदवी पर बरकरार हैं। एटीपी पर वीडियो पोस्ट में बोपन्ना ने कहा कि अनुभव काफी मायने रखता है, लेकिन जोकोविच का मानना है कि सफलता का सबसे बड़ा मंत्र समर्पण है। बोपन्ना ने कहा कि अनुभव जीतता है और यह यहीं से उन्हें मिला है।

जोकोविच ने कहा कि अनुभव के साथ समर्पण और निष्ठा भी मायने रखती है। उन्होंने बोपन्ना को घंटों जिम में फीजियो के साथ समय बिताते हुए देखा है। इतने वर्षों तक एटीपी टूर को आपके साथ साझा करना शानदार है। जोकोविच कहते हैं कि एकल और युगल दोनो में सबसे उम्रदराज विश्व नंबर एक होना अद्भुत है। यह सर्बिया और भारतीय टेनिस दोनों के लिए अच्छा है। जोकोविच कहते हैं कि वह आशा करते हैं कि जल्द ही हम दोनों भारत में कुछ करेंगे। हम वहां खेलेंगे। वह लंबे समय से भारत नहीं गए हैं। यह काफी बड़ा और शानदार देश है। टेनिस की भारत में अपार लोकप्रियता है और बोपन्ना इसमें सानिया, भूपति, पेस के साथ लगातार योगदान देते रहे हैं।

मैदान की बड़े मियां छोटे मियां से तुलना पर प्रियामणि ने दिया जवाब

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन की फिल्म मैदान रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार है। फिल्म के रिलीज होते ही दर्शकों का लंबा इंतजार भी खत्म हो जाएगा। निर्माताओं ने इस फिल्म को बनाने में खूब पैसे खर्च किए हैं। ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कारोबार करेगी। वहीं, दूसरी ओर इसका मुकाबला अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की फिल्म बड़े मियां छोटे मियां से होने जा रहा है। अब देखना होगा कि कौन सी फिल्म ज्यादा कमाई करने में कामयाब होगी। मैदान में अजय देवगन के किरदार की पत्नी का किरदार निभा रही अभिनेत्री प्रियामणि ने इसकी तुलना बड़े मियां छोटे मियां से किए जाने पर बात की हैं। अक्षय और टाइगर की फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन भी काम कर रहे हैं। उन्होंने प्रियामणि के साथ कई फिल्मों में काम किया है। अब प्रियामणि और पृथ्वीराज की फिल्में एक-दूसरे को बॉक्स ऑफिस पर टक्कर देने जा रही है। ऐसे में अभिनेत्री प्रियामणि ने कहा कि उनके और पृथ्वीराज के बीच फिल्म की टक्कर को लेकर कोई बात नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि वे पृथ्वीराज को खलनायक की भूमिका में देखने के लिए काफी उतावली है। अभिनेत्री ने आगे कहा कि वे जानती हैं कि पृथ्वीराज ने फिल्म में दमदार काम किया है।

रामायण के लिए रणबीर कपूर चार्ज कर रहे भारी-भरकम रकम!

बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म रामायण को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। हर दिन इस फिल्म से जुड़ी कोई न कोई खबर सामने आ रही है। रणबीर के फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि रणबीर इस फिल्म में भगवान राम की भूमिका निभाएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है, जिसकी सेट से कई तस्वीरें भी सामने आ चुकी हैं।

फिल्म से जुड़ी हर रोज कोई न कोई खबर सामने आ रही है। अब फिल्म के कलाकारों की फीस का खुलासा हुआ है। खबरों की मानें तो रणबीर कपूर रामायण में भगवान राम का किरदार निभाएंगे, जिसके लिए अभिनेता 75 करोड़ रुपये की भारी-भरकम फीस ले रहे हैं। निर्देशक नितेश तिवारी रामायण को बड़े स्तर पर शूट कर रहे हैं। इसके लिए फिल्म का बजट भी काफी ज्यादा है। भगवान राम की भूमिका के लिए रणबीर ट्रेनिंग ले रहे हैं। इसके चलते इन दिनों रणबीर काफी दुबले-पतले भी नजर आ रहे हैं। हाल ही में अभिनेता का ट्रेनिंग के दौरान का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वह अपने किरदार के लिए कड़ी मेहनत करते दिखाई दे रहे हैं।

इसी बीच एक नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रणबीर ने इस प्रोजेक्ट के लिए भारी रकम मांगी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता ने भगवान राम की भूमिका के लिए 75 करोड़ रुपये फीस मांगी है। रणबीर की ये फीस उनकी ब्लॉकबस्टर फिल्म एनिमल से भी ज्यादा है।

स्पाई यूनिवर्स की फीमेल लीड फिल्म में होंगे अनिल कपूर

यशराज प्रोडक्शन के स्पाई यूनिवर्स की सातवीं फिल्म की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। ये स्पाई यूनिवर्स की पहली फीमेल लीड फिल्म होगी, जिसमें आलिया भट्ट लीड रोल में हैं। अब इस फिल्म में अनिल कपूर की एंट्री भी हो चुकी है। वो फिल्म में रॉ चीफ की भूमिका निभाने वाले हैं। हाल ही में आई रिपोर्ट में फिल्म से जुड़े सूत्र के हवाले से लिखा गया है, अनिल कपूर यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा बन चुके हैं। अनिल चर्चित फिल्म में रॉ चीफ के किरदार में नजर आएंगे। वो इस सीरीज में टाइगर फ्रैंचाइजी में रॉ चीफ बने गिरीश कर्नाड को रिप्लेस कर रहे हैं। बताते चलें कि साल 2019 में गिरीश कर्नाड का निधन हो चुका है। एक था टाइगर, टाइगर जिंदा है, वॉर, पठान, टाइगर-3 और वॉर-2 के बाद अपकमिंग अनटाइटल फिल्म इस स्पाई यूनिवर्स की सातवीं फिल्म है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में कब होंगे मेयर चुनाव? निगम सचिव ने जारी किया नोटिस, जल्द जारी होगी अधिसूचना

दिल्ली में नगर निगम चुनाव को लेकर लेटेस्ट अपडेट आया है। निगम सचिव शिव प्रसाद ने चुनाव को लेकर एक नोटिस जारी किया है। जिसके अनुसार, 26 अप्रैल को सुबह 11 बजे निगम चुनाव होंगे। वहीं 18 अप्रैल तक प्रत्याशी नामांकन कर सकते हैं। इसे लेकर जल्द ही अधिसूचना भी जारी की जाएगी। इस बार महापौर अनुसूचित जाति से चुना जाएगा। यह तीसरी बार होगा जब महापौर की सीट एससी के लिए आरक्षित रखी गई है। इससे पहले 2022 की फरवरी में और मार्च में दो बार महिला को महापौर चुना गया था। तब आम आदमी पार्टी की ईस्ट पटेल नगर से पार्षद डॉ शैली ओबरॉय को इस पद की जिम्मेदारी मिली थी।

दिल्ली सरकार और एलजी में बढ़ेगी रार!

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल के बीच कई मुद्दों को लेकर जंग छिड़ी रहती है। अब विजिलेंस के एक आदेश से दोनों के बीच फिर तकरार हो सकती है। दरअसल, सतर्कता निदेशालय ने शिक्षा विभाग को डायरेक्टर (शिक्षा) के प्रमुख सलाहकार शैलेन्द्र शर्मा की नियुक्ति को अवैध और सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के बिना बताते हुए रद्द करने का निर्देश दिया है। इसे लेकर विजिलेंस ने मंगलवार को शिक्षा निदेशक को एक पत्र लिखा है। पत्र में निदेशालय ने कहा है कि शर्मा की नियुक्ति मनमानी है। उनकी अपॉइंटमेंट में चयन और नियुक्ति के लिए बनाई गई प्रक्रिया, जिसमें स्क्रीनिंग, ऑब्जेक्टिव असेसमेंट (मूल्यांकन), चयन, सिफारिश और सक्षम प्राधिकारी- लेफ्टिनेंट गवर्नर की मंजूरी शामिल नहीं थी। निदेशालय ने शिक्षा निदेशक को वित्त विभाग के कंसल्टेशन से सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के बिना मई 2022 में शर्मा के आधिकारिक लंदन दौरे पर खर्च किए गए 8.9 लाख रुपये की वसूली की संभावनाएं भी तलाशने के लिए कहा है। शिक्षा निदेशालय ने भी एक अलग आदेश जारी कर शर्मा की नियुक्ति रद्द कर दी है। आदेश में कहा गया है, उपरोक्त दौरे के लिए शैलेन्द्र शर्मा के सम्मान में खर्च की गई कुल 8,88,859 रुपये की राशि दिल्ली बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन द्वारा वहन की गई। इसे लेकर आम आदमी पार्टी ने बीजेपी सरकार पर हमला बोला है। आप का कहना है कि बीजेपी दिल्ली सरकार के किए गए ग्राउंड ब्रेकिंग कार्यों को रोकने की कोशिश कर रही है।

नोएडा ट्रैफिक पुलिस ने शहर के 80 व्यावसायिक संस्थानों को भेजे नोटिस

नईदिल्ली, एजेंसी। नोएडा ट्रैफिक पुलिस ने सड़क पर अतिक्रमण कर जाम का कारण बन रहे 80 व्यावसायिक संस्थानों को नोटिस जारी किए हैं। जल्द कोई सुधारात्मक कदम नहीं उठाने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। इसके अलावा पुलिस ने नो पार्किंग एरिया में खड़े 110 वाहनों को क्रेन से उठाया और 28 ऑटो और ई-रिक्शा जब्त किए गए। शहर में एमपी टू एलिवेटेड रोड की मरम्मत का काम चल रहा है। ऐसे में वाहनों का दबाव एमपी वन और एमपी तीन रास्ते पर आ गया है। इसको देखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने मंगलवार को बेहतर व्यवस्था बनाने के लिए अभियान चलाया। एमपी वन, एमपी तीन, सेक्टर-60 से मॉडल टाउन गोलचक्कर तक, सेक्टर-62 लिंक रोड, सेक्टर-15 से सेक्टर-18 तक अतिक्रमण और नो पार्किंग के खिलाफ कार्रवाई की। डीसीपी ट्रैफिक अनिल कुमार यादव ने बताया कि संबंधित मुख्य मार्ग, सर्विस रोड पर करीब 18 स्थानों से फल-सब्जी बेचने वालों की ठेलियां-पटरियां हटवाकर रास्ते को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। इसके अलावा नो पार्किंग में खड़े करीब 110 वाहनों को क्रेन से उठवाकर कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि अनाधिकृत रूप से खड़े ई-रिक्शा, ऑटो के खिलाफ भी सख्ती बरती गई।

मेंटल हेल्थ खराब कर रहा वायु प्रदूषण, दिल्ली सरकार ने एनजीटी को सौंपी रिपोर्ट

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में वायु प्रदूषण का असर मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। जिसकी वजह से उदासी की भावनाएं, पढ़ाई संबंधी परेशानियां और जीवन की चुनौतियों से निपटने की क्षमता कम हो गई है। इसे लेकर दिल्ली सरकार ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में एक रिपोर्ट जमा कराई है। इससे पहले, राजधानी में वायु गुणवत्ता में गिरावट के मनोवैज्ञानिक पहलू के विश्लेषण की जरूरत को लेकर ट्रिब्यूनल ने दिल्ली सरकार और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) सहित विभिन्न अधिकारियों से जवाब मांगा था। एनजीटी चेयरपर्सन जस्टिस प्रकाश श्रीवास्तव की पीठ ने कहा कि दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने स्वास्थ्य पर वायु प्रदूषण के प्रतिकूल प्रभावों को हाइलाइट करने वाली विभिन्न स्टडीज पर गौर करने के बाद अपना जवाब दाखिल किया है। पीठ में जूडिशियल सदस्य के तौर पर जस्टिस सुधीर अग्रवाल और विशेषज्ञ सदस्य ए सेंथिल वेल भी शामिल हैं। सभी ने रिपोर्ट पर विचार करते हुए कहा, इस बात के सबूत हैं कि वायु प्रदूषण के संपर्क में आने से भारत में मानसिक स्वास्थ्य खराब हो रहा है। जिससे उदासी की भावनाएं, पढ़ाई संबंधी परेशानियां और जीवन की चुनौतियों से निपटने की क्षमता कम हो गई है। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वायु प्रदूषण ने लोगों की मानसिक परेशानी को बढ़ा दिया है, खासकर ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर आबादी में, जैसा कि ट्रिब्यूनल ने दो अप्रैल के एक आदेश में कहा है। रिपोर्ट का हवाला देते हुए पीठ ने कहा, पर्यावरण प्रदूषक, खासतौर से वायु प्रदूषक, मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी परेशानियां जिसमें घबराहट, मूड में बदलाव, मानसिक दिक्कतें शामिल हैं। इसका अलग-अलग लोगों पर अलग असर देखने को मिलता है।

एनजीटी पैनल ने कहा कि दिल्ली सरकार की रिपोर्ट में सामान्य उपाय सुझाए गए हैं, जैसे एक्टिव रहना और थैरेपिस्ट से बात करना, इसके अलावा ह्यूमन बिहेवियर एंड अलायड सांइसिंज सहित सरकारी अस्पतालों द्वारा मानसिक रोगों से संबंधी सर्विस का इस्तेमाल करना। ट्रिब्यूनल ने सीपीसीबी के जवाब को ध्यान में रखते हुए कहा कि अमोनिया, लेड, निकल आर्सेनिक और बेंजो (ए) पाइरीन सहित कुछ वायु प्रदूषकों की कोई निगरानी नहीं की गई थी।

दिल्ली में अभी और सितम ढाएगी गर्मी, रिकॉर्ड बनाने की तरफ बढ़ रहा तापमान

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में अप्रैल के दूसरे सप्ताह से ही गर्मी का असर तेजी से देखने को मिल रहा है। मंगलवार इस साल अब तक का सबसे गर्म दिन रहा। दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग में दिन का अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री ज्यादा दर्ज किया गया। दिल्ली में पिछले तीन-चार दिन से सुबह से ही तेज धूप निकल रही है। इसके चलते तापमान में भी बढ़ोतरी हो रही है। सफदरजंग मौसम केंद्र में दिन का अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो कि सामान्य से तीन डिग्री ज्यादा है। यह इस सीजन का सबसे ज्यादा तापमान है। इससे पहले 30 मार्च को 37.8 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा था, जो कि सीजन का सबसे ज्यादा तापमान रहा था। वहीं, आसमान साफ रहने और सुबह के समय ठंडी हवा चलने के चलते न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया जा रहा है। सफदरजंग में मंगलवार को न्यूनतम तापमान 17.7 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले तीन दिन तक गर्मी बढ़ने का सिलसिला बरकरार रहेगा। इस दौरान अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है, लेकिन, शनिवार की रात से पश्चिमी विक्षोभ का असर दिल्ली के मौसम पर देखने को मिल सकता है। इसके चलते दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में तेज हवा के साथ हल्की बूंदाबांदी होने के अनुमान है। इससे तापमान में कमी आएगी और लोगों को तेज गर्मी से राहत मिलने के आसार हैं। वातावरण में धूल और धुएं की मात्रा बढ़ने से प्रदूषण में भी इजाफा हुआ। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक मंगलवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 200 अंक पर रहा। इस स्तर की हवा को मध्यम श्रेणी में रखा जाता है, लेकिन यह खराब श्रेणी से सिर्फ एक अंक नीचे है। यदि कुछ दिनों से आपको आंखों में जलन, खुजली, लालीपन, पानी आने और पलकों में सूजन की शिकायत है? बारबार पेट में दिक्कत, खांसी, बुखार, गले में खराश और जुकाम भी हो रहा है?

पड़ोसी के विदेशी कुत्ते ने युवक पर किया अटैक, सड़क पर गिरा दांतों से नोंच डाला शरीर; हालत गंभीर

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली से सटे गाजियाबाद के वैशाली सेक्टर तीन की 32 मीटर कॉलोनी में मंगलवार शाम खतरनाक प्रजाति के कुत्ते अमेरिकन बुली ने 18 वर्षीय युवक पर हमला कर दिया। करीब एक मिनट तक कुत्ता उसे नोंचता रहा। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। गंभीर हालत में युवक को हायर सेंटर रेफर किया गया है। नगर निगम ने कुत्ते को एनीमल बर्थ सेंटर भिजवा दिया है। पालतू कुत्ता जिस परिवार का है वह हाल ही में एरिया में शिफ्ट हुआ है।

एफ ब्लॉक निवासी यूसुफ का बेटा अल्ताफ ऑटो चलाता है। अल्ताफ मंगलवार शाम साढ़े चार बजे दोस्त के घर गया था। यहां दो दिन पहले किराये पर रहने वाले एक परिवार का कुत्ता उनके बेटे अल्ताफ पर झपट पड़ा। अल्ताफ ने गेट बंद कर बचने की कोशिश की, लेकिन कुत्ते ने बाहर आकर भी हमला किया। कुत्ते ने हाथ, पैर, पेट समेत कई जगह काटकर घायल कर दिया। युवक को दो स्थानीय अस्पतालों से रेफर कर दिल्ली के हेडगेवार अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां हालत गंभीर बताई जा रही है।

कॉलोनी में लगे सीसीटीवी कैमरों में घटना कैद हो गई, जिसका एक मिनट का वीडियो सामने आया है। पड़ोसी दौड़ते हैं, लेकिन फिर कुत्ते का आक्रामक रवैया देख शोर मचाते हैं। एक महिला युवक को अंदर खींचती है तो कुत्ता फिर भी हमला करने दौड़ता है। वीडियो देखने से लोगों में दहशत है। एक पड़ोसी कमलेश सिंह का दावा है कि परिवार को चेतावनी दी गई थी कि इस प्रजाति का कुत्ता पालना स्वीकार्य नहीं है।

घायल के पिता यूसुफ ने बताया कि डाक्टर ने महंगे इलाज की बात कही है। पता नहीं कितने इंजेक्शन लगेंगे और इलाज के लिए कहां से पैसे लाऊं। पुलिस ने संपर्क किया था, लेकिन अभी शिकायत नहीं दी है। पशु चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि कुत्ते का पंजीकरण नहीं है। मालिक के बारे में जानकारी की जा रही है। बता दें कि पिछले महीने, पालतू कुत्तों के हमलों की बढ़ती घटनाओं के मद्देनजर केंद्र सरकार ने पिटबुल टेरियर, अमेरिकन बुलडॉग, रॉटवीलर और मास्टिफ्स सहित फेरोशियस (जंगली) कुत्तों की 23 नस्लों की बिक्री और प्रजनन पर प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया था।

बिट्टू बजरंगी को शर्त पर मिली जमानत

नईदिल्ली, एजेंसी। नूंह हिंसा के आरोपी बिट्टू बजरंगी पर फरीदाबाद पुलिस का शिकंजा कसता जा रहा है। उसे जारी शस्त्र लाइसेंस को रद्द करने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। उससे पूछा गया है कि आत्म सुरक्षा के लिए उसे दिया गया शस्त्र लाइसेंस क्यों न रद्द कर दिया जाए। अधिकारियों का कहना है कि दो से तीन दिन में संतुष्ट जवाब नहीं मिलने पर कार्रवाई की जाएगी और लाइसेंस को रद्द कर दिया जाएगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गौरतलब है कि नंगला एंक्लेव में लाठी से युवक को पीटने और उसकी वीडियो बनाकर व्हाट्सऐप पर स्टेटस लगाने के आरोप में सारन थाना की पुलिस ने रविवार रात बिट्टू बजरंगी को गिरफ्तार किया था। हालांकि सोमवार को उसे थाने से ही जमानत मिल गई थी, लेकिन जमानत देते समय पुलिस ने उससे एक हलफनामा लिखवाया था। इसमें उसने किसी प्रकार का बवाल आदि नहीं करने संबंधित पुलिस को आश्वासन दिया था। सारन थाना के प्रभारी संग्राम दहिया ने बताया था कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर थाना और पवर्तीया कॉलोनी चौकी की टीम बिट्टू बजरंगी पर नजर रखेगी। किसी प्रकार की अप्रिय हरकत पाने पर उसे गिरफ्तार किया जा सकेगा।

वहीं उसकी सुरक्षा में तैनात गन मैन के खिलाफ विभागीय कार्रवाई और बर्खास्त करने की सिफारिश उच्चाधिकारियों से की गई है। सूत्रों की मानें तो उसपर भी अधिकारियों द्वारा समीक्षा की जा रही है। इसके अलावा भाई महेश पांचाल की मौत के बाद मिली सुरक्षा को वापस लिए जाने पर मंथन किया जा रहा है। थाना, चौकी के अलावा साइबर की टीम बिट्टू बजरंगी के सोशल मीडिया एकाउंट्स की लगातार जांच कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि वीडियो में युवक को पीटने वाले अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

जानकारी के अनुसार पुलिस की सख्ती के बीच बिट्टू बजरंगी 14 अप्रैल को रैली निकालने की योजना बना रहा है। वह इसकी तैयारी कर रहा है। उसने सोशल मीडिया पर पोस्ट अपलोड करने के साथ जगह-जगह बैनर-पोस्टर चिपका रहा है। इससे पुलिस की चिंता बढ़ गई है। अधिकारियों का कहना है कि रैली आयोजित करने की अभी अनुमति नहीं दी गई है। बिना अनुमति रैली आयोजित करने पर कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस के अनुसार 14 अप्रैल को आंबेडकर जयंती और बैसाखी भी है। इस दिन अलग-अलग संस्था के लोग रैली व जुलूस निकालेंगे। बिट्टू के खिलाफ पहले से ही एक उद्यमी की शिकायत पर मामला दर्ज है। ऐसे में अगर बिट्टू बजरंगी रैली आयोजित करता है तो इससे यातायात व्यवस्था पर भी प्रभाव पड़ सकता है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आचार संहिता लगी है। ऐसे में बिट्टू अगर रैली निकालता है तो इससे सामाजिक सौहार्द्र बिगड़ सकता है, क्योंकि 14 मार्च को त्योहार भी है।

उधर, बिट्टू बजरंगी धार्मिक रैली में लोगों से जुड़ने की अपील कर रहा है।

इस्राइल को हथियार बेचती रहेंगी ब्रिटिश कंपनियां', विदेश मंत्री ने गाजा में मानवीय क्षति पर जताई चिंता

वाशिंगटन, एजेंसी। इस्राइल और हमास के बीच पिछले छह महीने से युद्ध जारी है। अमेरिका और ब्रिटेन सहित तमाम देश युद्ध विराम की मांग कर रहे हैं। इस बीच ब्रिटेन के विदेश मंत्री ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हम ब्रिटिश कंपनियों द्वारा इस्राइल को बेचे जा रहे हथियारों को नहीं रोकेंगे। गौरतलब है कि सात अक्तूबर की सुबह हमास द्वारा करीब 5000 रॉकेट इस्राइली शहरों पर दागे गए थे. जिसके बाद से दोनों पक्षों में युद्ध जारी है। इस्राइल ने इस हमले को आंतकी हमला करार दिया है। इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कसम खाई है कि वह जब तक हमास को पूर्ण रूप से खत्म नहीं कर देते, तब तक वे युद्ध विराम नहीं करेंगे। अमेरिका के वाशिंगटन में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ब्रिटिश विदेश मंत्री डेविड कैमरन ने कहा कि काफी चर्चाओं के बाद हमने फैसला किया है कि हम अपने निर्यात लाइसेंस पॉलिसी को फिलहाल नहीं बदल रहे हैं। हम लगातार मामले की समीक्षा करते रहेंगे। हालांकि, कैमरन में कहा कि ब्रिटेन गाजा में मानवीय पहुंच के मुद्दे पर गंभीर है। बता दें, ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक पर काफी दबाव डाला जा रहा था कि वे अपने फैसले को वापस लें, जिससे इस्राइल को हथियारों की आपूर्ति की जा रही है। ब्रिटेन ने 2022 में इस्राइल को 42 मिलियन पाउंड हथियारों की आपूर्ति की थी।

डॉक्टर से ली अपॉइंटमेंट बिना किसी कारण कर दी कैंसल तो लगेगा जुर्माना, फ्रांस में मरीजों के लिए बना लॉ

पेरिस , एजेंसी। हम और आप कई बार अपने हेल्थ को लेकर डॉक्टर को दिखाने के लिए पहले ही अपॉइंटमेंट ले लेते हैं। ताकि डॉक्टर के पास जाकर हमें लंबी लाइन में खड़े न होना पड़े। कई बार किसी और काम की वजह से हम लिए हुए अपॉइंटमेंट को कैन्सल करने पर मजबूर हो जाते हैं तो वहीं कई बार अन्य कारणों की वजह से डॉक्टर तक नहीं पहुच पाते हैं।

ऐसा करना शायद भारत या बहुत देशों में आम बात हो लेकिन फ्रांस इसको लेकर एक नया कानून लेकर आने वाला है जिसमें अपॉइंटमेंट लेकर डॉक्टर के पास नहीं जाने पर आपको जुर्माना देना पड़ सकता है। फ्रांस में अब अगर आपने डॉक्टर से अपॉइंटमेंट ले ली है और आपके पास डॉक्टर के अपॉइंटमेंट को कैन्सल करने के पीछे कोई खास कारण नहीं है तो आप पर 5 यूरो का जुर्माना लग सकता है। यह कदम फ्रांस की सरकार अगले साल जनवरी से उठाने वाली है इसके पीछे का कारण फ्रांस में चरमरा रही स्वास्थ्य सेवा, कर्मचारियों की कमी और डॉक्टर की बढ़ती मांग को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। फ्रांस प्रधानमंत्री गेब्रियल अटाल ने कर्मचारियों की कमी, बढ़ती लागत और बढ़ती मांग के कारण चरमरा रही स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा देने की वजह से मरीजों पर क5 के जुर्माने की घोषणा की है। पीएम ने बताया कि 7 करोड़ की आबादी वाले देश में हर साल 2.7 करोड़ लोग समय लेकर भी दिखाने नहीं जाते। उन्होंने कहा, हम इसे जारी रखने की अनुमति नहीं दे सकते।

मिशिगन स्कूल में गोलीबारी करने वाले किशोर के माता-पिता को मिली 10 से 15 साल जेल की सजा

मिशिगन , एजेंसी। 2021 में ऑक्सफोर्ड, मिशिगन के एक स्कूल में गोलीबारी में चार छात्रों की हत्या करने वाले किशोर के माता-पिता को मंगलवार को 10 से 15 साल जेल की सजा सुनाई गई है। इसकी जानकारी सीएनएन की रिपोर्ट में दी गई है।

वे पहले माता-पिता हैं जिन्हें अपने बच्चों द्वारा की गई गोलीबारी के लिए आपराधिक रूप से जिम्मेदार ठहराया गया है क्योंकि अमेरिका में कैंपस में गोलीबारी और बड़े पैमाने पर गोलीबारी की घटनाएं लगातार जारी हैं।

दंपति को हत्या का दोषी ठहराए जाने के कुछ सप्ताह बाद सजा सुनाई गई है। जेम्स और जेनिफ़र क्रम्बली, जिनमें से प्रत्येक को 15 साल तक की जेल का सामना करना पड़ा था, शूटिंग के कुछ दिनों बाद डेट्रॉइट गोदाम में गिरफ्तारी के बाद से पहले ही दो साल से अधिक समय से जेल में हैं।

सीएनएन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, हालांकि जेम्स और जेनिफर क्रम्बली पर अलग-अलग मुकदमा चलाया गया, लेकिन उन्हें ओकलैंड काउंटी कोर्ट रूम में एक साथ सजा सुनाई गई।

गोलीबारी में मारे गए चार छात्रों के परिवार के कई सदस्यों ने

न्यायाधीश द्वारा सजा की घोषणा से पहले भावनात्मक पीड़ित प्रभाव वाले बयान दिए। जस्टिन शिलिंग की मां ने कहा कि उनके बेटे को घातक गोलीबारी करने से रोकने के लिए कार्रवाई करने में जेम्स और जेनिफर दोनों की विफलताओं ने हम सभी को बर्बाद कर दिया है। एक अन्य पीड़ित, हाना सेंट जूलियाना के पिता ने कहा कि क्रम्बलीज लगातार अपने ऊपर लगे दोष टाल रहे हैं।

अदालत को दिए एक बयान में जेनिफर क्रम्बली ने पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उसने कहा कि उसका पिछला बयान, जो उसने फरवरी में अपने मुकदमे के दौरान अपने बचाव में दिया था, पूरी तरह से गलत समझा गया था।

इससे पहले, जेनिफर क्रम्बली ने कहा था, मैंने खुद से पूछा है कि क्या मैंने कुछ अलग किया होता और मैंने ऐसा नहीं किया होता।

अब, सजा सुनाए जाने से पहले, उसने कहा कि अगर वह जानती कि उसका बेटा अपराध करने में सक्षम है, तो उसका जवाब बिल्कुल अलग होता।

सीएनएन ने बताया, जेम्स क्रम्बली ने पीड़ितों से माफी मांगी, कुछ ऐसा जो उन्होंने कहा कि वह अभी तक करने में सक्षम नहीं थे। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता था कि उनका बेटा स्कूल में गोलीबारी की योजना बना रहा है और न्यायाधीश से अनुरोध किया कि मुझे उचित तरीके से सजा दें।

जैन आध्यात्मिक नेता को मिला अमेरिका में सम्मान

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारत के जैन आध्यात्मिक नेता लोकेश मुनि को अमेरिका में सम्मानित किया गया है। उनको सार्वजनिक भलाई और मानवता में योगदान के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति के गोल्ड वालंटियर सर्विस पुरस्कार से नवाजा गया है। अमेरिका में वरिष्ठ डेमोक्रेटिक सांसद ब्रैड शेरमैन ने मंगलवार को भारत में अहिंसा विश्व भारती और वर्ल्ड पीस सेंटर के संस्थापक मुनि को राष्ट्रपति पुरस्कार गोल्डन शील्ड और सर्टिफिकेट ऑफ ऑनर से सम्मानित किया।

राष्ट्रपति जो बाइडन के हस्ताक्षर वाले पत्र में कहा गया है, मैं जनता की भलाई, देश और मानवता के लिए दिए योगदान के लिए आपको बधाई देता हूं। गौरतलब है, राष्ट्रपति के स्वयंसेवी सेवा पुरस्कार के विजेताओं का चयन अमेरिकी सरकार की एक स्वतंत्र एजेंसी अमेरिकॉर्प्स द्वारा किया जाता है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पताः- 435 ऑर्बिट मॉल विजय नगर, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।